आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 2 अगस्त 2026 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-4 ■ वर्ष -42 ■ अंक-125 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 03 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में लोक भवन से 'नशामुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' का शुभारंभ

मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशव्यापी अभियान का किया शुभारंभ

रायपुर 2 अगस्त

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज देशभर में प्रारंभ हुए 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन तथा विभिन्न युवा संगठनों के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए 100 सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का सकारात्मक उपयोग करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इस दिशा में जागरूक करने का आह्वान किया।

लोक भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने उत्साहपूर्वक देखा। राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया। उल्लेखनीय है कि 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' 2 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर आगामी 100 सप्ताह तक देशभर में संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), माय भारत युवा संगठन तथा अन्य युवा संगठनों के सहयोग से विविध जन-जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैलियाँ, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ, वाद-विवाद, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, लघु फिल्म प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान तथा सामुदायिक संवाद जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे।

अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय और जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित करना है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाकर इसे जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आज बड़ी चुनौती बना गया है साइबर अपराध: साय

साइबर अपराध आज बड़ी चुनौती बना हुआ है, ऐसे में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए नया अपराधी कानून अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है. प्रदेश में नौ साइबर थाने शुरू किए गए हैं, ताकि साइबर अपराधों को रोका जा सके. यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डिजिटल न्याय कार्यशाला के पहले मीडिया से चर्चा में कही. मुख्यमंत्री साय ने नये आपराधिक कानूनों के माध्यम से डिजिटल न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने संबंधी विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के शुरू होने से पहले मीडिया से चर्चा में कहा कि नए कानून को लेकर आज की यह कार्यशाला बेहद महत्वपूर्ण है. पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में नए कानून प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि अपराध होता है तो अपराधियों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल साक्ष्य उपयोगी होते हैं. सीसीटीवी के माध्यम से कई महत्वपूर्ण सबूत मिल जाते हैं. मोबाइल चैट्स , डिजिटल साक्ष्य और फॉरेंसिक की काफी मदद मिलती है. सीसीटीएनएस से काफी मदद मिली है. पूरे देश के थाने इसमें रजिस्टर्ड हैं.

कुलगाम आतंकी हमला का खुलासा

श्रीनगर ,2 अगस्त। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार रात आतंकियों ने छत्तीसगढ़ से रोजी-रोटी कमाने आए दो श्रमिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। शुरुआती जांच के अनुसार, इस वारदात को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लतीफ बट ने अंजाम दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, आतंकी ईंट-भट्ठे काम करने वाले श्रमिकों के बीच करीब 15 से 20 मिनट तक बैठा रहा। उसने मजदूरों से बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें भरोसा दिलाया कि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उसके पास एक काला बैग था, जिसमें उसने कथित तौर पर अपनी असॉल्ट राइफल छिपा रखी थी। जब श्रमिक पूरी तरह निश्चिंत हो गए, तब आतंकी वहां से निकलने लगा। इसी दौरान उसने पानी मांगा। जैसे ही एक श्रमिक की पत्नी उसके लिए पानी लेने गई, उसने नजदीक से दोनों श्रमिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के समय घटनास्थल पर करीब डेढ़ से दो साल का एक मासूम बच्चा भी मौजूद था। गोलीबारी के बाद आतंकी अपने एक साथी के साथ मौके से फरार हो गया। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावर ने पहले बातचीत कर मजदूरों का विश्वास जीता और फिर धोखे से उन पर हमला किया। इस घटना ने एक बार फिर आतंकियों की कायराना रणनीति को उजागर किया है। गौरतलब है कि इससे पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भी आतंकियों ने पर्यटकों से उनकी पहचान पूछने के बाद हमला किया था। दोनों घटनाओं में हमले से पहले पीड़ितों का विश्वास हासिल करने की समान रणनीति दिखाई देती है। हालांकि, दोनों मामलों के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि सुरक्षा एजेंसियों ने अभी तक नहीं की है।

गृह मंत्रालय का फर्जी अफसर बन करोड़ों की ठगी

अगरतला ,2 अगस्त । सरकारी विभागों से मिलते-जुलते नाम वाली फर्जी कंपनियां बनाकर और खुद को गृह मंत्रालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर निवेशकों से करोड़ों रुपये ठगने वाले एक बड़े गिरोह पर प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने कड़ा शिकंजा कसा है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में त्रिपुरा कैडर के एक निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक चंद्रा भी जांच के घेरे में आ गए हैं। ईडी के अगरतला उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (क्करूरु) के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए सस्पेंड आईएएस समेत अन्य आरोपियों के 1.12 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस को कुर्क कर लिया है।

डिजिटल होगा पूरा क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम, ई-चार्जशीट से लेकर ई-फॉरेंसिक तक सभी सेवाएं होंगी एकीकृत : गृह मंत्री विजय शर्मा

रायपुर,2 अगस्त। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में आज 'नवीन आपराधिक कानूनों के माध्यम से डिजिटल न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाना' विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गृह विभाग, न्यायपालिका, अभियोजन, फॉरेंसिक विभाग और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल तकनीक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और इसी उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई है। गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य पूरे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करना है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहले से सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य और न्याय श्रुति जैसी डिजिटल व्यवस्थाएं संचालित हैं। अब इन सभी प्रणालियों को आपस में जोड़कर पुलिस, अभियोजन, फॉरेंसिक और न्यायपालिका के बीच समन्वय को और मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी होगी तथा इसके अभूतपूर्व परिणाम देखने को मिलेंगे।

पहली बार एक मंच पर गृह विभाग और न्यायपालिका-विजय शर्मा ने बताया कि पहली बार गृह विभाग और न्यायपालिका के अधिकारी एक ही मंच पर मौजूद हैं। कार्यशाला में उच्च न्यायालय के सभी न्यायमूर्ति, अभियोजन विभाग के अधिकारी, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की टीम भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय से नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी।

नए कानूनों में डिजिटल व्यवस्था को मिला विशेष महत्व-गृह मंत्री ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के तहत न्यायिक प्रक्रिया को पूरी तरह आधुनिक और तकनीक आधारित बनाया जा रहा है। अब पारंपरिक चालान की जगह ई-चालान की व्यवस्था लागू हो चुकी है। वहीं फॉरेंसिक रिपोर्ट ई-फॉरेंसिक सिस्टम के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी और अदालतों में ई-चार्जशीट पेश की जाएगी। इसके अलावा न्याय श्रुति प्रणाली के जरिए न्यायाधीश डिजिटल माध्यम से सुनवाई की प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करेंगे।

स्मार्ट मीटर पर कांग्रेस से पूछा बड़ा सवाल-कार्यक्रम के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान गृह मंत्री विजय शर्मा ने स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेस के घर-घर अभियान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले यह बताना चाहिए कि स्मार्ट मीटर लगाने का अनुबंध आखिर किसकी सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व में हुए अनुबंध के बावजूद जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई है।

'भारत से इतना प्यार है, तो दुबई में क्यों रहते हो?': राज ठाकरे

मुंबई,2 अगस्त। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अध्यक्ष राज ठाकरे पीएम मोदी का समर्थन करने वाले बॉलीवुड अभिनेताओं पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति अपना खुलकर समर्थन जाहिर करने वाले विवेक ओबेरॉय और आर. माधवन पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर इन दोनों को लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार भारत में सब सही कर रही है, तो यह दुबई में जाकर क्यों बस गए? मुंबई में एक कार्यक्रम में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राज ठाकरे ने मोदी सरकार को उद्योगपतियों के भारत छोड़ने का जिम्मेदार बताया। उन्होंने 2019 में पीएम मोदी की बायोपिक का जिक्र करते हुए कहा, "विवेक ओबेरॉय, जिन्होंने मोदी पर फिल्म बनाई और उसमें मोदी का किरदार भी खुद ने ही निभाया। वह भी अब दुबई रहने चले गए। आर. माधवन, जिन्होंने मोदी की तारीफ की। वे कहां रहते हैं? वे भी दुबई में रहते हैं।" मनसे प्रमुख ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, "तो अगर आपको भारत से इतना प्यार है और आपको लगता है कि मोदी सरकार देश में सब अच्छा कर रही है। मोदी को आप पसंद करते हैं। तो विदेश में क्यों रह रहे हैं? अपने परिवारों को लेकर दुबई क्यों पहुंच गए?" ठाकरे ने आरोप लगाया कि ऐसे लोग यहां आएंगे, धुरंधर जैसी सरकार समर्थित फिल्म बनाएंगे और फिर वापस दुबई चले जाएंगे।

आपको बता दें, विवेक ओबेरॉय के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अपने बिजनेस से जुडे मामलों की वजह से दुबई में रहते हैं। वहीं आर.माधवन ने कोविड 19 के दौरान इस बात का जिक्र किया था कि वह अपने बेटे के स्विमिंग करियर के चलते दुबई शिफ्ट हो रहे हैं। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान बच्चों द्वारा पीएम मोदी को गालियां दिए जाने का राज ठाकरे ने भी विरोध किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीजेपी के प्रदर्शन में पीएम मोदी के खिलाफ उपयोग की गई भाषा गलत थी। पीएम मोदी के माफ कर देने वाले वीडियो का जिक्र करते हुए राज ने कहा कि वह उनकी बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा, "मैं इससे सहमत हूं।

बसपा के प्रथम परिवार में घमासान

नई दिल्ली,2 अगस्त। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद के ससुर और अपने समधी अशोक सिद्धार्थ को बसपा से निकाल दिया है। उन्होंने कल ही अशोक सिद्धार्थ से चार राज्यों का प्रभार छीन लिया था। मायावती ने साफ किया है कि अब अशोक सिद्धार्थ को कतई पार्टी में वापस नहीं लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रथम परिवार की खटपट एक बार फिर सामने आ गई है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर और अपने समधी अशोक सिद्धार्थ को एक बार फिर बसपा से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। मायावती ने शनिवार को ही अशोक सिद्धार्थ से चार राज्यों का प्रभार छीन लिया था। इसके बाद कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में अशोक सिद्धार्थ को भविष्य में उत्तर प्रदेश में कुछ जिम्मेदारी दिए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसी बीच रविवार को मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर अशोक सिद्धार्थ के बसपा से निष्कासन का ऐलान करते हुए यह भी साफ कर दिया कि अब उन्हें पार्टी में वापस कतई नहीं लिया जाएगा।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके की विदेश में पढ़ाई के खर्च पर विवाद

मुंबई,2 अगस्त। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। सूरत के सूचना अधिकार कार्यकर्ता अमित तिवारी ने अभिजीत दिपके के पिता की वित्तीय स्थिति की जांच करने की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया है कि महाराष्ट्र सरकार के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी होने के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की विदेशों में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया। इसके अलावा, आरटीआई कार्यकर्ता ने निर्वाचन आयोगऔर टैक्स अधिकारियों को पत्र लिखकर उस 1 करोड़ रुपये के लीगल डिफेंस फंड की जांच करने की भी मांग की है, जिसकी घोषणा वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सीजेपी प्रदर्शनकारियों के लिए की थी। क्या राजनीतिक दल के नाम पर मिल रहा है फंड? आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने सीजेपी की आधिकारिक स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या कोई गैर-पंजीकृत संस्था राजनीतिक दल के नाम पर फंड प्राप्त कर सकती है? अमित तिवारी का कहना है कि कॉकरोच जनता पार्टी एक गैर-पंजीकृत संस्था है, लेकिन यह एक राजनीतिक दल के रूप में काम कर रही है। अगर इसके लिए 1 करोड़ रुपये का लीगल डिफेंस फंड देने का वादा किया गया है, तो चुनाव आयोग को यह जांच करनी चाहिए कि क्या सीजेपी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत है या नहीं।

जसप्रीत बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से हुए बाहर

मुंबई,2 अगस्त। टीम इंडिया को श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले 440 वोल्ट का झटका लगा है। भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका दौरे पर नहीं जाएंगे। वह अनफिट होने के कारण आगामी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके घटने में दिक्कत है। 32 वर्षीय बुमराह को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में शुरुआती जांच के बाद भी अपने बाएं घुटने में तकलीफ महसूस हो रही है। ऐसे में पेसर पूरी तरह ठीक होने की सलाह दी गई है। श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगा। पहला मैच गॉल जबकि दूसरा कोलंबो के मैदान पर होगा। भारतीय टीम चार अगस्त को श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी। एक सूत्र ने बताया, ''पहले भी ऐसे मौके आए हैं जब प्लेयर्स को जल्दबाजी में क्रिकेट में वापस लाया गया और नुकसान हुआ। आप दोबारा ऐसा रिस्क नहीं ले सकते। खासकर बुमराह के साथ। इसलिए पूरी तरह ठीक होना ही एकमात्र लक्ष्य है.

भारोत्तोलन की अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में मणिपुर की महिला खिलाड़ियों को क्यों मिलती है सफलता

परखनेवाले चाहिए भारत में हर खेल में हैं प्रतिभाएं

आलेख .. जसवंत क्लॉडियस, वरिष्ठ स्वतंत्र खेल पत्रकार,टीवी कमेंटेटर, रायपुर. छ. ग.

हमारे देश के खेल इतिहास में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारोत्तोलन खेल में भारत का नाम रौशन करने वाली महिला प्रतिभागियों के राज्य के बारे में जानने की कोशिश की जाए तो हम पाते कि अधिकतर महिला भारोत्तोलक भारत के राज्य विशेष से हैं। भारोत्तोलन के खेल में एक खिलाड़ी को दो तरह से अपने अंदर की खेल शक्ति को दिखाने का अवसर मिलता है, जिसे क्रमशः क्लीन एंड जर्क तथा स्नैच कहते हैं। क्लीन एंड जर्क की विधा में भारोत्तोलक लोहे के राड जिसे बारबेल कहते हैं उसमें निश्चित भार से लदी प्लेट होती है उसको उठाते हैं। इस बारबेल को उठाने का तरीका होता है। इसमें भार को पहले जमीन से कंधों के सामने तक (क्लीन) फिर कंधों से सिर के ऊपर (जर्क) तक ले जाया जाता है। दूसरी विधा स्नैच में भार प्लेट के विभिन्न वजन से लदी हुई बारबेल को एक बार में एक गति से सिर के ऊपर तक उठाया जाता है। दोनों ही विधा में बारबेल को कम से कम तीस सेकंड तक उठाकर रखना पड़ता है। जब निर्णायक हूटर बजाते हैं तब तक बारबेल को फ्लोर में गिराया जाता है। हालांकि आंध्रप्रदेश की रहने वाली भारत की सुश्री कर्णम मल्लेश्वरी ने 2000 के सिडनी ओलंपिक खेलों में पहली बार कांस्य पदक जीतकर इस खेल को भारत में लोकप्रिय बनाया. लेकिन 2000 से 2026 तक के भारतीय खिलाड़ियों के भारोत्तोलन में प्रदर्शन का आकलन किया जाए तो साफ हो जाता है कि हमारे देश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाले महिला भारतोलको में अधिकांश मणिपुर राज्य से हैं। इनमें से हमारे देश की महान खिलाड़ियों में से एक मीरा बाई चानू हैं उन्होंने 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों में 2014 से लेकर 2026 तक चार बार भारोत्तोलन में पदक जीता है। जिसमें 2014 में रजत फिर 2018,2022 व 2026 में अपने वजन वर्ग में तिकड़ी लगाते हुए लगातार तीन स्वर्ण पदक जीता है।19 वर्ष की उम्र से लगातार भोरोत्तोलन के खेल से जुड़े रहना और 31 वर्ष की उम्र में अपने देश के लिए विश्व स्पर्धाओं में पदक जीतना किसी भारतीय महिला को महान खिलाड़ी का दर्जा देने के लिए पर्याप्त है। मणिपुर राज्य पुलिस सेवा में कार्यरत मीराबाई ने अब तक राष्ट्रमंडल खेलों के साथ आधुनिक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों 2020, विश्व चैंपियनशिप 2017, 2022,2025 एशियाई चैंपियनशिप 2020 में पदक हासिल किया है। मीराबाई के अलावा बिंदयारानी देवी, संजीता चानू, एन सोनिया चानू, रेनूबाला चानू, एल.मोनिका देवी, कुंजरानी देवी, सानामाचा चानू ने भी विश्व स्तरीय प्रदर्शन करके अपने देश के लिए पदक हासिल किया है. सौभाग्य से उक्त सभी महिलाएं मणिपुर राज्य से हैं। अब प्रश्न यह

उठता है कि मणिपुर जैसे छोटे राज्य से इतनी प्रतिभाशाली भारोत्तोलक कैसे उभरकर आ सकती हैं। खोज पड़ताल के बाद स्पष्ट है कि ये सभी महिला खिलाड़ी दूरस्थ ग्रामीण व पहाड़ी अंचल में रहती है। इन्हें रोज कई किलोमीटर चलकर स्कूल जाना पड़ता है. रोजमर्रा के जरूरत की सामग्री खरीदने के लिए पहाड़ियों के बीच से रोज गुजरना पड़ता है। कई बार पीने के पानी के लिए पहाड़ियों को पार करके जाना पड़ता है। धार्मिक पूजा पाठ के लिए भी ये कई किलोमीटर पैदल चलते हैं।

मीराबाई चानू के जीवन के बारे में अध्ययन करने से पता चला कि वे पहाड़ियों के बीच जंगल जाकर जलाने के लिए लकड़ी बिनती थी और लकड़ी का बड़ा बंडल लेकर घर आती थी, तब घर वालों, शिक्षकों, पड़ोसियों को लगा कि यह इतना वजन उठाकर सब कुछ आसानी से कर सकती है, तब उन्होंने मीराबाई को भारोत्तोलन खेल के लिए प्रोत्साहित किया इस प्रकार जब ग्रामीण पहाड़ी वनांचल क्षेत्र के रहवासी स्वयं होकर आना जाना करते हैं तो उनकी मांस पेशियों में ताकत बढ़ जाती है। इसलिए उत्तर पूर्व की प्रतिभागी भारोत्तोलन में सफल होती है। दूसरी बात जब वे पहाड़ी या जंगल जाती हैं तो कई तरह के वन पक्षियों, वनपशुओं कीड़े मकोड़ों का सामना करती हैं अतः साहसी होती हैं। भारोत्तोलन के खेल में सफलता पाने के लिए शारीरिक शक्ति के साथ साहसी होना जरूरी होता है। ऐसे क्षेत्र के निवासी आज्ञाकारी और मेहनती होते हैं जिसके कारण उन्हें उनके परिश्रम का फल मिलता है वे कामयाब होते हैं। अतः भारत के किसी क्षेत्र के खिलाड़ी की सफलता का आकलन उनके रोजाना की दिनचर्या, गतिविधि से किया जा सकता है . फिर एक खिलाड़ी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने आगे की जिम्मेदारी भारत सरकार के केंद्रीय खेल मंत्रालय के माध्यम से भारतीय खेल प्राधिकरण के अकादमी में सघन प्रशिक्षण द्वारा किया जाता है। छत्तीसगढ़ भी एक अनुसूचित जन जाति बहुल, वनांचल, पहाड़ी, ग्रामीण अंचल में ऊबड़ खाबड़ मार्ग, छोटे छोटे नदी नाले वाला, प्रदेश है . यहाँ पर खेल विभाग और जागरूक नागरिक, मीडिया कर्मी की मदद से खोज की जाए तो एथलेटिक्स, साइक्लिंग, तैराकी, तीरंदाजी , केनोइंग, नौकायन,फुटबाल, कुश्ती,ट्रायथलान, रोलबॉल,स्केटिंग, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, जूडो, मार्शलआर्ट,मलखंभ, आदि खेलो की विश्व स्तरीय प्रतिभाएं निकल सकती हैं.

आयुक्त ने मॉर्निंग विजिट में विकास कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। आयुक्त सुरुचि सिंह ने शनिवार को मॉर्निंग विजिट के तहत निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास, निर्माण एवं स्वच्छता कार्यों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नेहरू नगर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर मधु मेमोरियल की रिक्त भूमि का अवलोकन किया। साथ ही सूर्या मॉल चौक को लेफ्ट-फ्री करने एवं सड़क चौड़ीकरण की प्रस्तावित योजना का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि चौक के चौड़ीकरण और व्यवस्थित विकास से यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मेट्रोपॉलिश में निर्मित आवासों तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने सड़क निर्माण सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। राधिका नगर स्थित दाऊ बाड़ा तालाब का निरीक्षण कर वहां प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक

कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। वहीं खुर्सीपार स्थित गारमेंट फैक्ट्री के निर्माण कार्य एवं संचालन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। आयुक्त ने खुर्सीपार में निर्माणाधीन सीवरेज लाइन का भौतिक सत्यापन कर कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा खुर्सीपार इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा इसके संचालन के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करने को कहा। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त डी.के. कोसरिया एवं येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा और नितेश मेश्राम, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, श्वेता वर्मा एवं चंद्रकांत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता बसंत साहू, पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर एवं अशोक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना एवं हेमंत मांझी, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, शशांक शेखर, विजेंद्र परिहार, अतुल यादव सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

बाबा प्रेम कांवरिया संघ का जत्था बाबाधाम के लिए हुआ रवाना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। सावन माह के पावन अवसर पर बाबा प्रेम कांवरिया संघ युवा विंग के 25 श्रद्धालुओं का जत्था रविवार, 2 अगस्त को साउथ बिहार एक्सप्रेस से बाबा बैद्यनाथ धाम (बाबाधाम) के लिए रवाना होगा। भाजपा नेता एवं बाबा प्रेम कांवरिया संघ युवा विंग के संयोजक मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा प्रारंभ करेंगे। बाबा प्रेम कांवरिया संघ पिछले दो दशकों से अधिक समय से सावन माह में नियमित रूप से बाबाधाम की यात्रा करता आ रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी युवा विंग के श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना करेंगे। संयोजक मनीष पाण्डेय ने बताया कि यह यात्रा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि युवाओं को सेवा, संस्कार और सनातन संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि बाबा प्रेम कांवरिया संघ निरंतर धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रहा है।

सेफ्टी क्विज के विजेताओं का सम्मान विद्यार्थियों में सुरक्षा जागरूकता पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। डीपीएस रिसाली में आयोजित सेफ्टी क्विज़ प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बीएसपी की महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस एवं प्राचार्य प्रभारी ए.एच. जुंजानी ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए। एम्ब्रोस ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, ताकि वे जीवन भर सुरक्षित व्यवहार अपनाकर समाज में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बना सकें। प्रतियोगिता में प्रणज सोनी ने प्रथम, श्रीशांश पाण्डेय ने द्वितीय तथा दक्ष दड़सेना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं शौर्य स्वर्णकार, एस. दयानिधि शन्मुगावेल, वात्सल त्रिपाठी, वेदांत अग्रवाल एवं सुहानी अग्रवाल को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

घर के बाहर खड़े ऑटो और टाटा-एस वाहनों की बैटरी चुराने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। नशे की लत को पूरा करने के लिए फरीद नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में घर के बाहर खड़े ऑटो एवं टाटा-एस वाहनों से बैटरी चोरी करने वाले आरोपी को सुपेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पकड़ने में सीसीटीवी फुटेज मददगार साबित हुआ है? आरोपी के कब्जे से विभिन्न कंपनियों की चोरी की कुल 15 नग बड़ी बैटरियां जब्त की है सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि प्रार्थी कलीम खान ने थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपने ऑटो को प्रतिदिन रात्रि में अपने घर के बाहर फरीद नगर, मुरम खदान, निजामी चौक, सुपेला में खड़ा करता है वाहन की सफाई करते समय ऑटो की बैटरी गायब मिली पड़ोसी के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज देखने पर एक अज्ञात व्यक्ति रात्रि लगभग 2.50 बजे ऑटो की बैटरी निकालकर ले जाते हुए दिखाई दिया प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सुपेला में चोरी का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की घटनास्थल निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर संदेही इमरान कुरैशी (29 साल) मूल निवासी गौरेला, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, वर्तमान निवासी दुर्गापारा सुपेला को चिन्हित किया पुलिस टीम उसके निवास स्थान पर पहुंचकर पूछताछ की आरोपी ने फरीद नगर एवं आसपास क्षेत्रों में घर के बाहर खड़े ऑटो एवं टाटा-एस वाहनों से बैटरियां चोरी करना स्वीकार किया आरोपी के निशानदेही पर विभिन्न कंपनियों की कुल 15 नग बड़ी बैटरियां बरामद की है आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी के प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं।

एसएनजी स्कूल में छात्रों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 2 अगस्त। यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और नाबालिगों के वाहन संचालन पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन विश्वास के तहत एसएनजी स्कूली भिलाई के सेक्टर-4 में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, पेरेंट्स यूनियन, बीएसपी के अधिकारी, एक्स आर्मी संगठन के प्रतिनिधि, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेन्द्र देव पटेल ने बताया कि पिछले पांच दिनों में लगभग 2, 000 नाबालिग वाहन चालकों की जांच की गई, जिनमें 95 के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं 21 स्कूलों में करीब 15 हजार विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया गया कार्यक्रम में पीपीटी के माध्यम से हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के कानूनी दुष्परिणाम, अभिभावकों की जिम्मेदारी तथा स्कूल प्रबंधन की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। ट्रैफिक डीएसपी विशाल सोने डीएसपी भारती मरकाम ने महिला सुरक्षा और पिंक पेट्रोलिंग जब कि उप निरीक्षक डॉ. राय ने साइबर सुरक्षा व ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताए जिला परिवहन अधिकारी मृतुन्जय देव पटेल ने लाइसेंस नियमों व स्कूल बसों से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी।

एक नजर

कवर्धा, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रताप चंद्रवंशी छत्तीसगढ़ पेंशनर संघ जिला अध्यक्ष जिला कबीरधाम ने जिले के नए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव को गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी।

बीएसपी की मेधावी सम्मान योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

भिलाई, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कर्मियों के मेधावी बच्चों से मेधावी सम्मान पुरस्कार योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना के अंतर्गत कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में नकद पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। योजना का लाभ बीएसपी के नियमित कर्मियों के आश्रित बच्चों को मिलेगा। आवेदन निर्धारित प्रपत्र में अंकसूची की सत्यापित प्रति सहित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 में जमा किए जा सकते हैं। कक्षा 10वीं एवं 12वीं की श्रेणियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। योजना संबंधी जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी स्कूल की प्राचार्य सुमिता सरकार से संपर्क कर सकते हैं।

भाजपा के वैशाली नगर मंडल कोषाध्यक्ष 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित

भिलाई, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने प्रदेश संगठन के निर्देश तथा जिला संगठन प्रभारी रामजी भारती की सहमति से अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए वैशाली नगर मंडल के कोषाध्यक्ष भास्कर मुदलियार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, भास्कर मुदलियार का नाम भिलाई इस्पात संयंत्र में लोहा चोरी से संबंधित प्रकरण में सामने आया है। मामले में न्यायालय द्वारा आरोप तय किए जाने के बाद पार्टी ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए यह कार्रवाई की है। भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने बताया कि संगठन अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी के तहत प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार संबंधित पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से छह वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि अनुशासन के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या समझौता नहीं किया जाएगा।

गांजा बेचते युवक को छावनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। टीआई राकेश खुटेश्वर ने बताया कि पुलिस को

मुखबिर से सूचना मिली कि छावनी चौक के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से गांजा बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही घेराबंदी की। मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में अपना नाम मोह. वसीम (20 साल) निवासी दुर्गा नगर जोन-1, थाना छावनी, जिला दुर्ग बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक थैले में 2.360 किलोग्राम अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 1, 18, 000 है आरोपी के विरुद्ध थाना जामुल में धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्जकर गिरफ्तार किया है।

भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लोहा चोरी के बहुचर्चित मामले में एक और कार्रवाई

कारोबारी व भाजपा वैशालीनगर मंडल का कोषाध्यक्ष मुदलियार गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लोहा चोरी के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने शनिवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए रसूखदार कारोबारी व भाजपा वैशालीनगर मंडल के कोषाध्यक्ष भास्कर मुदलियार उर्फ बाचु को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान भास्कर मुदलियार की भूमिका सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। वहीं दूसरी ओर उन्हें 6 वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि वैशाली नगर निवासी भास्कर मुदलियार की गाड़ियां लंबे समय से भिलाई स्टील प्लांट के भीतर संचालित होती थीं।

जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर उसकी संलिप्तता स्पष्ट होने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद शनिवार को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया इस मामले में अब तक कुल 17 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि लोहा चोरी के पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है। जांच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इसके आधार पर आगे भी अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

जांच अधिकारियों के अनुसार यह सिर्फ लोहा चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे काम कर रहे पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। इसी वजह से पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और मामले से जुड़े लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। इनकी हो चुकी है गिरफ्तारियां आरोपी संजय सिंह, पिंटू उर्फ उपेन्द्र ओझा, मिथेन ठाकुर, चिंतानंद साहू, गीतेश वर्मा, निर्मल सिंह, रविन्द्र साहू, घनश्याम गुप्ता, इन्द्र कुमार पटेल, मदन साहू, आकाश कुमार सिंह,

अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा, हेमंत देवांगन व हिमांशु भूषण मलिक, मनोज देवांगन अन्य की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है। इस मामले में फरार ईनामी आरोपी अभय सिंह, ठेकेदार हिमांशु ब्रदर्स गिरीश खंडेलवाल और एके ट्रेडर्स के मो. सलीम फरार है। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

इस मामले में और भी बड़ा खुलासा होने की संभावना है भास्कर मुदलियार 24 जुलाई 2025 से भाजपा वैशाली नगर मंडल के कोषाध्यक्ष आरोपी भास्कर मुदलियार को जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने 24 जुलाई 2025 को जारी भाजपा वैशालीनगर मंडल के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी की सूची में कोषाध्यक्ष घोषित किया। भाजपा के वैशालीनगर मंडल के पदाधिकारियों की सूची में भास्कर मुदलियार का नाम 11 वें नंबर पर कोषाध्यक्ष के रूप में है। आज जब उन्हें बीएसपी से चर्चित लोहा चोरी के मामले में गिरफ्तार करने की जानकारी भाजपा नेताओं को मिली तो उनमें हड़कम्प मच गया।

दरअसल विधायक रिकेश सेन ने लोहा चोरी के आरोपियों को और खासकर इसके सरगना को पकड़ने के लिए बड़ा मुहिम चलाया। उन्होंने राजधानी रायपुर से लेकर नईदिल्ली तक बहुत लिखा पढ़ी की। वे इस मुद्दे को लेकर फेसबुक में भी लगातार न केवल सक्रिय रहे बल्कि बेहद आक्रामक भी रहे।

अब जबकि उनके खुद के विधानसभा क्षेत्र वैशालीनगर के मंडल कोषाध्यक्ष लोहा चोरी में गिरफ्तार हो गए तो यह मामला आज काफी चर्चा में रहा। देखना यह है कि पुलिस लोहा चोरी के मुख्य सरगना तक पहुँच पाती है या नहीं पुलिस जांच में यह हुआ था खुलासा पुलिस की कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए वाहनों में सीजी 10-आर-2004 नंबर का वाहन भी शामिल है। इसमें ब्लू डस्ट के साथ बीएसपी का लोहा स्कै प लोड मिला था। आरटीओ रिकार्ड के अनुसार यह वाहन वैशाली नगर निवासी भास्कर मुदलियार के नाम पर पंजीकृत है।

इसके बाद से जांच एजेंसियां तकनीकी साक्ष्यों और परिवहन रिकार्ड के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई थी बीएसपी के अधिकारी, कर्मचारी की गिरफ्तारी पूर्व में हो चुकी बीएसपी में लोहा चोरी मामले में बीएसपी के अधिकारी हिमांशु भूषण मलिक और कर्मी मनोज देवांगन की गिरफ्तारी की जा चुकी है सीआईएसएफ के 7 जवानों को भी सस्पेंड करने की खबर है।

दीपशिखा विद्यालय डुमरडीह में छात्र परिषद का हुआ गठन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 2 अगस्त। दीपशिखा विद्यालय डुमरडीह, उतई में नवगठित छात्र परिषद के पदाधिकारियों का अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह हुआ। दीपशिखा शिक्षण समिति के संचालक डी एल सिन्हा ने सभी छात्र परिषद एवं कक्षा प्रतिनिधियों को पद की गरिमा बनाए रखते हुए, विद्यालय के आदर्शों एवं अनुशासन का पालन करने की शपथ दिलाई। शाला के प्राचार्य के आर सिन्हा ने समस्त प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए अपने दायित्वों को शाला प्रबंधन में सकारात्मक एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर पालक शिक्षक समिति के सदस्य घनश्याम चंद्राकर भी उपस्थित थे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाने की शुभकामनाएं दी।

शालानायक के रूप में रुद्र कुमार चन्द्राकर, उपशालानायक मोक्षदा साहू, स्कूल सचिव सौरभ चंद्राकर, क्रीड़ा प्रभारी कुणाल देवांगन, शिखा सिंह सांस्कृतिक प्रभारी ज्योति देशमुख अनुशासन प्रभारी धर्मेन्द्र, वंदना साहू, स्काउट गाइड प्रभारी सुजल साहू, एकता वर्मा स्वच्छता प्रभारी फ्लेश देवांगन, तृष्णा साहू। पर्यावरण प्रभारी चेतना देशमुख।

मीडिया प्रभारी अनमोल कुमार नियुक्त हुए। वर्ष भर की शैक्षणिक और सह -शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए विद्यार्थियों को चार सदनों महानदी, शिवनाथ, इन्द्रावती एवं गोदावरी सदन में विभाजित किया गया तथा उनके इंचार्ज भी नियुक्त किए गए। इस अवसर पर इंग्लिश मीडियम प्राचार्य शांता सोनवानी, हिन्दी मीडियम के उपप्राचार्य प्रमोद कुमार एवं समस्त शिक्षक शिक्षिका- शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सुश्री भूमिका साहू ने किया।

मारपीट के मामले में 3 महिलाएं गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 2 अगस्त। पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि पूजा साहू निवासी दक्षिण डबरापारा, भिलाई-03 ने 29 जुलाई को थाना पुरानी भिलाई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपने परिवार के साथ कार से घर लौट रही थी। डबरापारा पुल के नीचे गली में एक पिकअप वाहन खड़ा होने के कारण रास्ता अवरुद्ध था वाहन हटाने के लिए चालक को बुलाने पर विवाद उत्पन्न हो गया विवाद के दौरान आरोपीगण एक राय होकर प्रार्थिया के पति निलेश साहू, जेठ तेजराम साहू एवं बीच-बचाव करने आई जेठानी शैलजा साहू के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने लगे। घटना में आरोपियों द्वारा जैक रॉड सहित अन्य वस्तुओं से हमला किए जाने से पीड़ितों को चोटें आई प्रकरण में अपराध क्रमांक 399/2026 अंतर्गत धारा 109, 296, 115(2) 351 (3), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध विवेचना में लिया गया। पूर्व में प्रकरण के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जा चुका है विवेचना के दौरान महिला आरोपियों संलिप्तता प्रमाणित होने पर उन्हें अभिरक्षा में ले पूछताछ की। आरोपी अनिता वर्मा, सीता वर्मा और जलेश्वरी वर्मा को गिरफ्तार किया है।

पीछा कर रहे मनचले को युवती ने जमकर पीटा

भिलाई, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एक युवती ने पीछा कर

रहे युवक की बीच सड़क पर जमकर पिटाई कर दी युवती का आरोप है कि कुछ महीने पहले भी यही युवक एक मॉल में उसका पीछा कर चुका था अब दोबारा घर लौटते समय उसे वही युवक दिखाई दिया इस के बाद उसने हिम्मत दिखाते हुए उसे सड़क पर रोक लिया इस दौरान युवती ने युवक को कई थप्पड़ मारे आसपास मौजूद लोगों ने भी युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी यह मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई युवक की पहचान स्मृति नगर निवासी युवक (29 साल) के रूप में हुई है सुपेला थाने पुलिस ने उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है कुछ लोग युवती के साहस की सराहना कर रहे हैं, जबकि कुछ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है?

शिवभक्ति और आस्था का अटूट संकल्प

विधायक भावना अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किमी की करेंगी कांवड़ पदयात्रा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 2 अगस्त। छत्तीसगढ़ की धार्मिक परंपरा में भी अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर भगवान भोरमदेव का जलाभिषेक करने की सदियों पुरानी आस्था आज भी हजारों शिवभक्तों के हृदय में जीवित है। प्रत्येक वर्ष कबीरधाम जिले सहित प्रदेश के अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु कठिन पदयात्रा कर अपनी भक्ति और विश्वास का परिचय देते हैं। इसी धार्मिक परंपरा को आत्मसात करते हुए पंडरिया विधानसभा की विधायक भावना बोहरा ने विगत वर्ष छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना के साथ माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक 151

किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा पूर्ण की। छत्तीसगढ़ में यह पहला अवसर था जब एक महिला जनप्रतिनिधि ने यह कठिन यात्रा पूर्ण की। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना के साथ 10 अगस्त से 16 अगस्त तक माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक (मध्यप्रदेश) से डोंगरिया महादेव होते हुए भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा करने जा रही हैं।

घने जंगलों, बीहड़ पगडंडियों, दुर्गम पर्वतीय मार्गों और उफनती नदियों को पार करते हुए यह पावन कांवड़ यात्रा 10 अगस्त से प्रारंभ होगी। भावना बोहरा द्वारा 151 किलोमीटर की यह कांवड़ पदयात्रा भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा, माँ नर्मदा की कृपा, आस्था, तप, त्याग और संकल्प की साधना होगी, जहाँ प्रत्येक कदम भगवान भोलेनाथ की भक्ति को समर्पित होगा और प्रत्येक पड़ाव पर छत्तीसगढ़ प्रदेश और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की जाएगी।

विधायक भावना बोहरा श्रावण मास के द्वितीय सोमवार 10 अगस्त को प्रातः 7 बजे अमरकंटक स्थित माँ नर्मदा मंदिर से पवित्र जल लेकर लगभग 151 किलोमीटर की पदयात्रा प्रारंभ करेंगी। यह यात्रा डोंगरिया महादेव होते हुए भगवान भोरमदेव के चरणों तक पहुँचेगी, जहाँ वे माँ नर्मदा का पावन जल अर्पित कर छत्तीसगढ़ की समृद्धि, किसानों की खुशहाली, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, मातृशक्ति के सम्मान और प्रदेशवासियों के सुख-शांति की मंगलकामना करेंगी। यह यात्रा केवल एक जनप्रतिनिधि की धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के कल्याण के लिए किया गया एक आध्यात्मिक संकल्प है। अपने कंधों पर कांवड़ और हृदय में लगभग तीन करोड़ प्रदेशवासियों की खुशहाली का भाव लेकर भावना बोहरा इस कठिन पदयात्रा पर निकलेंगी। यह संकल्प समाज में भारतीय संस्कृति और भगवान भोलेनाथ के प्रति श्रद्धा, सेवा और समर्पण की भावना को और अधिक सशक्त करेगा तथा नई पीढ़ी को हमारी गौरवशाली धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का प्रेरणास्रोत बनेगा। विधायक भावना बोहरा ने कहा श्रावण मास भगवान शिव की आराधना का सर्वोत्तम समय है। यह केवल पूजा का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, संयम, सेवा और लोककल्याण का भी पर्व है।

इन मार्गों से गुजरेगी छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की यात्रा

माँ नर्मदा मंदिर से प्रारंभ होकर यह यात्रा अपने प्रथम दिन गणेश मंदिर पहाड़, आमडोल, और खपरा खोल होते हुए लमनी, दूसरे दिन लमनी (अचानक मार्ग वन परिक्षेत्र) से निवासखार होते हुए महामाई (खुड़िया) गाँव, तीसरे दिन महामाई गाँव से दुल्लापुर बाजार, चौथे दिन दुल्लापुर बाजार से गौरकांपा होते हुए मोहतरा, पांचवे दिन मोहतरा से डोंगरिया मंदिर, छठवें दिन डोंगरिया महादेव मंदिर से बोड़ला और सातवें दिन बोड़ला से भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ जी के जलाभिषेक के साथ यह यात्रा संपन्न होगी।

शिक्षा ही जीवन का वास्तविक आधार: विक्रांत सिंह

- साईकिल पाकर खिल उठे छात्राओं के चेहरे
- छात्राओ ने कहा : साइकिल मिलने से स्कूल आने-जाने में होगी आसानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खैरागढ़ 2 अगस्त। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के तहत ब्लॉक अंतर्गत आने वाले विभिन्न हायर सेकेंडरी व हाई स्कूलों में निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हायर सेकेंडरी स्कूल जालबांधा, हाईस्कूल बफरा, मड़ौदा, सिंघोरी, चंदेनी एवं बाजार अतरिया में कक्षा 9वीं की छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल प्राप्त होते ही छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

अतिथियों का भव्य स्वागत: कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही आयोजकों व शाला परिवार द्वारा अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने छात्राओं का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षित बालिकाएं घर,प्रदेश व देश का नाम रोशन करती हैं : विक्रांत सिंह: छात्राओं व उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि शिक्षा ही जीवन का वास्तविक आधार है। शिक्षित होकर बालिकाएं अपने घर-परिवार, गुरुजनों और देश का नाम रोशन करती हैं।

उन्होंने योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह केवल एक साइकिल नहीं है बल्कि बालिकाओं के सपनों को पंख देने का एक माध्यम है। पूर्व में कई बार दूर-दराज से आने-जाने के साधनों की कमी के कारण छात्राओं को अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती थी। शासन की इस योजना से अब छात्राओं को स्कूल आने-जाने में काफी सुविधा हो रही है और वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी।

श्री सिंह ने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाली इस जनहितैषी योजना के लिए मंच के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहकर पढ़ाई करने की सलाह दी और आश्वस्त किया कि स्कूल की किसी भी समस्या के समाधान के लिए जनप्रतिनिधि सदैव तत्पर हैं।

जन-प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी मौजूदगी: इस अवसर पर विकेश गुप्ता, आयश सिंह (बोनी), देवकुमार सेन, केशव चंदेल, हरप्रसाद वर्मा, नरेश कुर्रे, दीनदयाल सिन्हा, गोपाल सिंह राजपूत, मुकेश वर्मा, उत्तम वर्मा, ऋषभ सिंह, प्रेमसागर गुप्ता, हर्षवर्धन वर्मा, संतोषी वर्मा, जयराम वर्मा, जय प्रकाश साहू, राकेश वर्मा, शिवांश बहादुर, गणेश वर्मा, ज्ञानेंद्र वर्मा, प्रमोद भगत, राहुल बंजारे, उमेश वर्मा, अमन यदु सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एक नजर

मंडल अध्यक्ष के प्रयास से भाजपा में 50 से अधिक कार्यकर्ताओं की वापसी

डोंगरगढ़ 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। धर्मनगरी डोंगरगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं को बरगला कर पार्टी से इस्तीफा दिलाने का मामला सामने आ रहा है। वहीं 50 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में ही रहकर क्षेत्र के विकास में भागीदारी निभाने का संकल्प लिए फिर से पार्टी में वापसी हो गई है। बताया जा रहा है कि पार्टी से इस्तीफा दिलाने का पूरा खेल पार्टी के एक समय में अहम पदों पर नियुक्त रहे कुछ कार्यकर्ता जिन्हें सोशल मीडिया में विवादित बयान बाजी करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके एवज में इन कार्यकर्ताओं ने पार्टी के ऊपर दबाव बनाने की दृष्टि से अन्य कार्यकर्ताओं को पार्टी के विरुद्ध मनगढ़ंत जानकारी देकर इस्तीफा दिलाने का काम किया था। इसके बाद जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोवाना को नाराज कार्यकर्ताओं को पार्टी में वापसी के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जिस पर वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में मंडल अध्यक्ष बनोवाना ने हर कार्यकर्ता से संपर्क किया। 50 से अधिक निष्ठावान कार्यकर्ताओं को फिर से पार्टी में वापस लाया गया है। जिसमें अशोक साहू, अनिल अग्रवाल, सुमित मिश्रा, रामकिशन सोनवानी, रविरंजन मंडल, कमलेश धमगये, अमन जनबंधु, शैलेन्द्र साहू, युगल किशोर ठाकुर आदि शामिल हैं।

पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर किया सादर नमन

रायपुर 2 अगस्त। आज अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती पर राजधानी शहर रायपुर में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित प्रतिमा स्थल के समक्ष और पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित मूर्ति स्थल के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया. पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने नगर निगम संस्कृति विभाग की ओर से अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया.नगर के गणमान्यजनों ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया.

पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती पर पूर्व मन्त्री अमितेष शुक्ल, गणमान्यजनों ने किया सादर नमन

रायपुर 2 अगस्त। आज अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती पर राजधानी शहर रायपुर में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित प्रतिमा स्थल के समक्ष और पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने नगर निगम उद्यान परिसर में स्थित मूर्ति स्थल के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया. पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर प्रदेश के पूर्व मन्त्री श्री अमितेष शुक्ल ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया. नगर के गणमान्यजनों ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पण्डित रविशंकर शुक्ल को 149वीं जयन्ती एवं पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को 97वीं जयन्ती पर सादर नमन किया.

डायल-112 ने त्वरित रेस्क्यू कर पहुँचाया अस्पताल; इलाज जारी

बलौदाबाजार 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। थाना कसडोल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव से एक अत्यंत संवेदनशील मामला सामने आया। यहाँ एक युवती ने अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत अत्यधिक बिगड़ गई और वह मौके पर ही गंभीर अवस्था में बेहोश हो गई। सूचना मिलते ही थाना कसडोल की डायल 112 (बाज-01) टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़िता को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल में भर्ती कराया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, जीवन में कभी निराश न हों: सांसद बृजमोहन अग्रवाल

- जे.आर. दानी शासकीय कन्या उत्कृष्ट हिंदी विद्यालय में साइकिल, किताब एवं गणवेश वितरण समारोह का आयोजन किया गया।
- स्कूल में ऑडिटोरियम विस्तार के लिए 50 लाख और कंप्यूटर लैब के लिए 20 लाख की सौगात
- छात्राओं को 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' की दिलाई गई शपथ, 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत हुआ पौधारोपण

रायपुर 2 अगस्त। राजधानी के जे.आर. दानी शासकीय कन्या उत्कृष्ट हिंदी विद्यालय में शनिवार को साइकिल वितरण, प्रतिभा सम्मान एवं नव-नियुक्त बाल कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए जीवन में सफलता, निरंतर प्रयास और नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

छात्राओं को प्रेरित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान हासिल करना या परीक्षा में अंक पाना नहीं है। माता-पिता के बाद बच्चे का सबसे ज्यादा समय स्कूल में शिक्षकों के मार्गदर्शन में बीतता है।

उन्होंने कहा, पढ़ाई में कभी कम नंबर आ जाएं, तबीयत खराब हो जाए या कोई विपरीत परिस्थिति आ जाए, तो कभी निराश मत होना। जीवन निराशा का नहीं, बल्कि आशा और उम्मीद का नाम है। केवल 10वीं या 12वीं में मेरिट में आने से कोई डॉक्टर, आईएएस या आईपीएस नहीं बनता, बल्कि इसके लिए कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स पास करने होते हैं। इसलिए अगर कभी कम नंबर मिले तो हिम्मत मत हारो। आज खेल, कला और संगीत के क्षेत्र में भी लोग मेहनत करके ऊंचाइयों पर पहुंच रहे हैं।

छात्राओं को सरल जीवन और सकारात्मक सोच की सीख देते हुए उन्होंने कहा, ÷हमेशा मेहनत पर भरोसा रखें। अगर प्रयास के बाद भी मन मुताबिक परिणाम न मिले, तो यह समझें कि ईश्वर ने आपके लिए कुछ और बेहतर सोच रखा है। अभिभावकों और शिक्षकों की डांट में आपका हित छुपा होता है। कॉम्पटीशन कभी बाहरी दिखावे या भौतिक चीजों में नहीं, बल्कि अच्छी शिक्षा और ज्ञान हासिल करने में होना चाहिए।÷

कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने छात्राओं से भी संवाद किया उनसे सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे, वो भविष्य में क्या बनना चाहती है, कैसे तैयारी करनी है इसके बारे में सवाल किए।

सांसद अग्रवाल ने विद्यालय में अधोसंरचना और सुविधाओं के विस्तार के लिए घोषणाएं कीं ?50 लाख की लागत से ऑडिटोरियम को बड़ा और चौड़ा बनाया जाएगा, ताकि दोगुने बच्चे बैठ सकें। छात्राओं के लिए ?20 लाख की राशि से कंप्यूटर लैब बनाई जाएगी, जिसमें ?10 लाख सांसद निधि और ?10 लाख विधायक निधि से दिए जाएंगे। रायपुर लोकसभा क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्राओं को बताया कि लोकसभा में कुल 9 विधानसभाएं आती हैं, जिसके कारण दिल्ली पार्लियामेंट और क्षेत्र के व्यापक दौरों में समय देना पड़ता है, लेकिन अपने विद्यार्थियों और क्षेत्र के विकास के लिए वे हमेशा समर्पित हैं।

कार्यक्रम के दौरान सांसद अग्रवाल ने मेधावी छात्राओं को साइकिल, पाठ्यसामग्री एवं गणवेश (यूनीफॉर्म) का वितरण किया।

साथ ही छात्रसंघ और बाल कैबिनेट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 'उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' की शपथ दिलाकर छात्राओं को देश से निरक्षरता खत्म करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और छात्राओं के स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए ओपन जिम का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री हितेश दीवान, शाला समिति अध्यक्ष श्री राजेश जैन , जोन अध्यक्षगण श्री मुरली शर्मा, श्री अंबर अग्रवाल, श्री सचिन मेघानी, मंडल अध्यक्ष संतोष सोनी समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, जन-प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई वेदी पूजन प्रक्रिया

- मातृ शक्ति ने शीश पर धारण किए मंगल कलश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव ,2 अगस्त। नगर की न्यू खंडेलवाल कॉलोनी स्थित राम - लक्ष्मण वाटिका में शिव - पार्वती परिवार की स्थापना पवित्र श्रावण मास में पूर्णता की ओर है । आज 1अगस्त को सुबह 11.30 बजे कलश यात्रा तथा भगवान भोलेनाथ सहित शिवगणों की शोभायात्रा न्यू खंडेलवाल कॉलोनी से लेकर ममता नगर , गुलमोहर कॉलोनी , पूनम कॉलोनी आदि में हर ..हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठी । पवित्र श्रावण मास की तृतिया तिथि पर शुभ मुहूर्त में पुरोहित द्वारा मंत्रोच्चार के साथ शिव - पार्वती परिवार की स्थापना का मंगल कार्य शुरू हुआ । 21मातृ शक्तियों ने अपने शीश पर कलश धारण कर भगवान भोलेनाथ से सभी की सुख - समृद्धि की कामना करते हुए डेढ़ घंटे तक नंगे पाँव शोभायात्रा का हिस्सा बनकर प्रारंभिक चरण को पूर्ण किया । शोभायात्रा के उपरांत मंदिर स्थापना के मुख्य जजमान गिरीश देवांगन ने सपत्नीक सभी धार्मिक अनुष्ठान को पूर्ण करने संकल्प लेकर वेदी पूजन की शुरुआत की । आज सुबह से लेकर देर शाम तक देवी -देवताओं , नवग्रह , षोडश मातृका आव्हान पूजन मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुए । संध्या में भगवान भोलेनाथ सहित शिवगणों की अन्नाधिवास प्रक्रिया के साथ आज के मंगल कार्यों को पूर्णता दी गई । शोभा यात्रा में विशेष रूप से मंदिर समिति के संरक्षक एवं नगर निगम में प्रतिपक्ष के नेता संतोष पिल्ले , वार्ड पार्षद श्रीमती संगीता युधिष्ठिर देवांगन सहित वार्ड के वरिष्ठजनों एवं युवक युवतियों ने शिव भक्तों के रूप में हिस्सा लिया ।

मुख्य न्यायाधीश ने किया न्यायालय राजनांदगांव एवं न्यायिक अधोसंरचना का निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 2 अगस्त। मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा जिला न्यायालय राजनांदगांव का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ता संघ के सदस्यों तथा न्यायालयीन कर्मचारियों से संवाद किया। अपने प्रवास के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय परिसर स्थित विभिन्न न्यायालय कक्षों, सेंट्रल प्रोसेस अनुभाग, सर्वर, लीगल एंड डिफेंस सिस्टम, अभिलेखागार, मालखाना, लेखा अनुभाग, ग्रंथालय, डिजिटलीकरण एवं स्कैनिंग केन्द्र, पीड़िता विश्राम कक्ष, किलकारी कक्ष सहित विभिन्न अनुभागों का सघन अवलोकन कर वहां उपलब्ध आधारभूत अधोसंरचना का जायजा लिया। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालयीन कार्यों में कार्यक्षमता, जवाबदेही, पत्रावलियों के रखरखाव और परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पेपरलेस कार्यप्रणाली व आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हुए न्यायिक व्यवस्था को नागरिक केंद्रित बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि जुडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और न्याय प्रणाली में नई तकनीकी को शामिल करने के हमेशा से पक्षधर रहे हैं। पदभार संभालने के बाद से ही वे लगातार प्रदेश के दूरस्थ व जिला न्यायालयों का दौरा कर जमीनी हकीकतों का जायजा ले रहे हैं। उनके इसी विजन के कारण आज राज्य में अदालतों के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण को एक नई गति मिली है, जिससे न्याय व्यवस्था अधिक नागरिक केंद्रित हो रही है। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालय परिसर राजनांदगांव में मौलश्री पौधा का रोपण भी किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, ज्वाइंट रजिस्ट्रार-कम-प्रिंसिपल प्राइवेट सेक्रेटरी, प्रोटोकॉल अधिकारी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव, जिले के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, जिला कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस अधीक्षक तथा न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सटोरिया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना दृष्टि हेल्पलाइन प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी दृष्टि हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। दृष्टि हेल्पलाइन के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है।

राजकुमार हरिहारनो को सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 2 अगस्त। नगर निगम में अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के पश्चात शासन नियमो के तहत सेवानिवृत्त होने पर सहायक राजस्व निरीक्षक श्री राजकुमार हरिहारनो को आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित बिदाई समारोह में सम्मान पूर्वक बिदाई दी गयी। आयुक्त ने श्री हरिहारनो को माला पहनाकर, शाल, श्रीफल एंव स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया तथा अवकाश नगदी करण का चेक दिया।

बिदाई समारोह में आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि 27 साल सेवा देकर आज श्री राजकुमार सेवानिवृत्त हो रहे है। इन्होंने अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं कर्मठता से निर्वाहन किया। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग में सेवा देकर इनकी राजस्व कर वसूली बहुत अच्छी रही इन्होंने डिमाण्ड के विरूद्ध सत प्रतिशत वसूली भी किया है और हर वित्तीय वर्ष में 80 प्रतिशत वसूली लाये है। आज अपने सर्विसकाल के अंतिम दिन तक विभागीय कार्य का कुशल सम्पादन करने पर मैं इनको बधाई देता हूॅ। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रभारियो को इनसे सीख लेनी चाहिए। मैं इनके उज्जव भविष्य की कामना करते हुए अपने पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वो का निर्वाहन इसी तरह से करे, ऐसी अपेक्षा करता हूॅ।

श्री राजकुमार हरिहारनों ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि कार्य के दौरान मुझे अधिकारी कर्मचारी का अच्छा सहयोग मिला और सबके प्रेरणा से ही मैं अच्छी वसूली करने का प्रयास दिया। इसके लिए मैं आयुक्त सहित निगम परिवार का आभार व्यक्त करता हूॅ। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी इमानदारी व मेहनत से कार्य करते है, अच्छी वसूली करे, इसके लिए मैं शुभकानाए देता हूॅ और समय समय पर मै सहयोग भी करूगा, ताकि मेरे प्रभारित वार्ड की वसूली प्रभावित न हो। बिदाई समारोह में राजस्व अधिकारी श्री मोबिन अली, सहायक राजस्व अधिकारी श्री हितेश ठाकुर, प्र.कार्यालय अधीक्षक श्री नारायण यादव सहित स्टाप उपस्थित थे।

किसान 14 अगस्त तक करा सकेंगे खरीफ फसलों का बीमा

राजनांदगांव 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफवर्ष 2026 में किसान अपने फसलों का बीमा 14 अगस्त 2026 तक करा सकते हैं। पूर्व में यह तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई थी, जिसमें बढ़ोत्तरी की गई है। जिले के ऋणी एवं अऋणी दोनों श्रेणी के किसान निर्धारित तिथि तक अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा किसानों के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करता है। सूखा, बाढ़, जलभराव, ओलावृष्टि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल को नुकसान होने की स्थिति में योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जिले में धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, अरहर, उड़द, मूंग, कोदो, कुटकी तथा रागी जैसी अधिसूचित खरीफफसलों का बीमा कराया जा सकता है।

जल आपूर्ति, सफाई एवं निर्माण कार्य का जायजा लेने महापौर पहुंचे लालबाग वार्ड

- लालबाग, महेन्द्र नगर, प्रभात नगर में पैदल भ्रमण कर वार्डवासियो से हुए रूबरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 2 अगस्त। मूलभूत सुविधा बिजली,पानी सफाई का हाल जानने महापौर श्री मधुसूदन यादव आज सुबह वार्ड नंबर 23 के लालबाग, महेन्द्र नगर, प्रभात नगर में वार्ड पार्षद एवं राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य श्री राजा माखीजा के साथ पैदल भ्रमण कर साफ सफाई एवं निर्माण कार्य का जायजा लेकर वार्डवासियो से रूबरू हो पानी, सफाई के संबंध में चर्चा किए।

लालबाग में चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लेकर महापौर श्री यादव ने कहा कि निर्माण में गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे अच्छा काम हो और क्षेत्रवासियो को उसका लाभ मिल सके। गली नं. 8 एवं वाईडनियर स्कूल के पीछे व महेन्द्र नगर में नाली निर्माण की मांग पर वार्डो में विकास कार्य कराने शासन द्वारा स्वीकृत राशि से प्राथमिकता तय कर नाली निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने निर्माण कार्य की सतत मानिटरिंग करने संबंधित इंजिनियर को निर्देशित किए। महेन्द्र नगर व प्रभात नगर वासियो द्वारा पानी भरान से निजात दिलाने तथा सफाई कर्मी कम होने से ठीक से सफाई नही होने पर सफाई कर्मी बढ़ाने की मांग पर महापौर ने स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि कार्यरत कर्मचारियो से प्रतिदिन निर्धारित समय तक सफाई करावे और सप्ताह में गैंग लगाकर भी सफाई कराना सुनिश्चित करे। अत्यधिक बारिश में पानी भरान की स्थिति से निपटने नाली में सुचारू बहाव के लिए नाली का ढाल ठीक करने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किए तथा लिकेज पाईप लाईन की मरम्मत करने कहा। उन्होंने वार्डवासियो से कहा कि पानी भरान क्षेत्रों से समुचित पानी निकासी के लिए नाला निर्माण करने शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसी प्रकार जगन्नाथ मंदिर शेड लगाने की मांग पर जल्द कार्य कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा, उप अभियंता श्री तिलक राज ध्रुव, प्र.स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

जहां भाषा खत्म हो जाती है,वहां से गाली शुरू होती है

सभ्य समाज,सभ्य लोगों की अपनी एक भाषा होती है जिसमें वह अपने विचार व भाव को प्रकट करता है। अपने दुख,सुख,संवेदना को एक दूसरे के सामने प्रकट करता है।भाषा के जरिए हम एक दूसरे से जुड़ते हैं, एक दूसरे को आपस जोड़ते हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो भाषा सकारात्मक होती है।हमारी भाषा से लोगों को पता चलता है कि हम क्या है, कैसे है,सभ्य हैं, शालीन हैं। एक तरह से हमारी भाषा हमारे बारे में दूसरों को बताती है,दूसरे हमको हमारी भाषा के जरिए भी जानते हैं कि हम कितने सभ्य है, हम कितने शालीन हैं। हम एक दूसरे का कितना सम्मान करते हैं,एक दूसरे का कितना आदर करते हैं।हमारी भाषा से हमारी स्थिति का भी पता चलता है,हम दुख में होते हैं तो हमारी भाषा अलग होती है, हम सुख में होते हैं तो हमारी भाषा अलग होती है।लेकिन जब हम गुस्से में होते हैं तो हमारी भाषा में गालियां होती है और जब हम बहुत गुस्से में होते हैं तो हमारी भाषा खो जाती है,हमारी भाषा खत्म हो जाती है, हम बहुत सारी गालियां देते हैं। इसलिए कहा जाता है कि जहां हमारी भाषा खत्म हो जाती है,वहां से गाली शुरू होती है।जब गाली खत्म हो जाती है तो आपस में मारपीट शुरू हो जाती है। हमारे देश में आजादी के बाद से आंदोलन होते रहे हैं, नारेबाजी होती रही है,आंदोलन में गाली कभी नही दी गई.आंदोलन में गाली का उपयोग कभी नहीं किया गया इसीलिए जब सीजेपी के आंदोलन में गालियों वाले भद्दे पोस्टर,युवाओं ने भद्दी गाली दी,खूब हिंसा हुई,तोड़फोड़ हुई तो लोगों को बुरा लगा है,लोगों ने कहा है यह कैसा आंदोलन है। हम लोगों ने पढ़ा है कि देश में सबसे बड़ा आंदोलन देश की आजादी के लिए किया गया आंदोलन था।तब देश की आजादी के लिए लोगों को प्रेरित करने वाले नारे लगाए जाते थे।तुम मुझे खून दो,मैं तुम्हें आजादी दूंगा, स्वराज्य मेरा जन्मसिध्द अधिकार है।आजादी के बाद होने वाले आंदोलनों में भी खूब नारे लगते रहे हैं।इंकलाब जिंदाबाद,तानाशाही नहीं चलेगी,अपना हक हम लेकर रहेंगे,हर जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है। आंदोलन चाहे किसी संस्था के खिलाफ है,किसी राज्य सरकार के खिलाफ है या केंद्र सरकार के खिलाफ है, आंदोलन में किसी को गाली नहीं दी जाती थी।पिछले एक दशक में हुए आंदोलन में किसी नेता का बुरा जरूर चाहा गया है, कहा गया मर जा मोदी, कहा गया है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी आज नहीं तो कल खुदेगी। मौत का सौदागर,दस सिर वाला रावण आदि कहा गया।बिहार चुनाव के समय तो पीएम मोदी को मां की गाली दी गई। इससे राजनीति में भाषा का स्तर गिरा और गिरता चला गया है। सीजेपी के आंदोलन से तो साफ हो गया है कि आने वाली पीढ़ी की भाषा कितनी खराब हो गई है।उसके पास अपने गुस्से को प्रकट के लिए अच्छे शब्द नही है, उसके पास गुस्से का प्रकट करने के लिए गंदी भाषा, गंदे मीम हैं, गंदे पोस्टर हैं। वह पुरानी पीढ़ी को निश्चित तौर पर बुरे लगेंगे कि क्योंकि पुरानी पीढ़ी की भाषा में मर्यादा का ख्याल रखा जाता था, अपने विचार व गुस्से को अच्छे शब्दों में प्रकट करने की काबिलियत थी। यही वजह है कि सीजेपी के आंदोलन में शामिल होने वाले जेन जी की भाषा को लेकर लोग अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं तो कई लोग उनका पक्ष ले रहे हैं।कंगना रनौत का तो कहना है कि जंतर-मंतर में हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को गंदगी,कचरे और भद्देपन का प्रदर्शन है।उनका कहना है कि मैंने अपनी जिंदगी में कभी किसी एक जगह इतना भद्दापन नहीं देखा। कुछ लोग कहते हैं कि जेनजी की भाषा शालीन नहीं है,वह बहुत गालियां देते हैं।पुरानी पीढ़ी के लिए गाली देना बहुत बुरी बात थी, इसलिए उनको नई पीढ़ी की गालीवाली भाषा बुरी लगती है।कुछ लोग कहते हैं कि जेन जी पेपर लीक के खिलाफ अपने गुस्से को अपने समय और समाज के असंतोष को गाली देकर व्यक्त कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि गाली तो हमारे समाज में हमेशा से रही हैं, उसका आविष्कार जेनजी ने नहीं किया है क्योंकि गाली एक विचार नहीं है, अपने भाव की अभिव्यक्ति है।कुछ लोग कहते हैं कि गाली का जवाब कई बार गाली होता है, छोटी गाली का जवाब बड़ी गाली होती है।तब गाली प्रतिरोध का रूप होती है,तब गाली विरोध का रूप होती है, तब गाली बगावत का रूप होती है।जब व्यापक दमन,उत्पीड़न होता है तो वह गाली के विस्फोट के रूप में आता है।कुछ लोग कहते हैं कि जेनजी ने सड़क पर उतर कर सत्ता को चुनौती दी है और जब देश का विपक्ष अपना काम नहीं कर पा रहा था को यह काम जेनजी को जंतर मंतर में उतरकर,सड़क पर उतरकर करना पडा।देश में कमजोर विपक्ष,बिखरा हुआ विपक्ष युवाओं के लिए कुछ नहीं कर पा रहा था, बहुत दिन तक युवाओं ने देखा और जाना कि यह विपक्ष हमारे लिए कुछ नहीं कर सकता तो वह खुद सीजेपी आंदोलन के जरिए जंतर मंतर व सड़क पर आया। वह जैसा भी है, उसे अब स्वीकारना होगा क्योंकि क्रिया की प्रतिक्रिया तो होती है।जेनजी का आंदोलन कमजोर विपक्ष की विफलता का परिणाम है।विपक्ष इसी तरह कमजोर बना रहा तो आने वाले समय में देश में इसी तरह के और आंदोलन देखने को मिलेंगे।

विश्लेषण

बंद करो राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र बांटना?

तनवीर जाफ़री

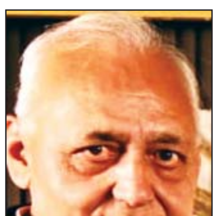

दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों नीट पेपर लीक मामले के ख़िलाफ़ 36 दिनों तक चला छात्र आंदोलन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हुआ। इस आंदोलन के राष्ट्रव्यापी होने से पहले ही सरकार ने आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्वीकार करते हुये यह साबित कर दिया कि यदि छात्र व युवा संगठित हों और उनकी मांगें भी जायज़ हों तो बहुमत वाली सरकार को भी झुकाया जा सकता है और 'हमारी सरकार में इस्तीफ़े नहीं होते ' जैसे सत्ता के अहंकारी मिथक को तोड़ा जा सकता है। परन्तु इस आंदोलन के दौरान और आंदोलन समाप्त होने के बाद भी मीडिया से लेकर सत्ता समर्थक नेताओं व तथाकथित सेलेब्रिटीज़ द्वारा आंदोलनकारी युवाओं के प्रति अत्यंत अभद्र व आपत्तिजनक भाषाओं का इस्तेमाल किया जाता रहा। निश्चित रूप से लगभग नेतृत्वविहीन से समझे जाने वाले इस आंदोलन में कुछ छात्र छात्राएं ऐसे भी थे जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कई ऐसी अभद्र बातें कीं जिन्हें शिक्षित छात्रों की भाषा क़तई नहीं कहा जा सकता। कुछ युवाओं द्वारा तो प्रधानमंत्री मोदी व उनकी दिवंगत माताजी के विरुद्ध आपत्तिजनक व अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। हालांकि नरेंद्र मोदी ने एक वीडिओ जारी कर उन्हें मुआफ़ भी कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'कभी-कभी ग़ल्ती से दांतों के बीच जीभ आ जाती है और ख़ून निकल आता है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते क्योंकि दांत और जीभ दोनों हमारे अपने हैं।' परन्तु यह भी सच है कि गिनती के ऐसे युवाओं की गाली गलौज वाली भाषा के आधार पर पूरे आंदोलन,उसके विचारों व उसकी आत्मा का गला भी नहीं घोंटा जा सकता। उनके बहाने समस्त आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित नहीं किया जा सकता। परन्तु ऐसा ही किया जा रहा है। भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रानावत जिन्होंने स्वयं अपने एक साक्षात्कार में अपने ही अतीत को लेकर कुछ ऐसे रहस्योद्घाटन किये थे जिन्हें सुनकर किसी भी व्यक्ति का सिर शर्म से झुक जाये,वही कंगना, छात्र आंदोलन में शामिल युवाओं के ख़िलाफ़ पहले तो अपने सोशल मीडिया

इंस्टाग्राम पर और बाद में संसद परिसर में मीडिया के सामने बेहद आपत्तिजनक बयान देती हैं? वे आंदोलनकारी छात्रों को 'गटर जनरेशन' '' और 'गटर छाप' ''गंदगी'' और ''बदसूरत'' कहकर संबोधित करती हैं। वे कहती हैं कि जंतर-मंतर आंदोलन के वायरल वीडियो को देखकर उन्हें 'उबकाई' आती है। वे इस पूरे प्रदर्शन को 'कचरा तथा भद्देपन का प्रदर्शन' बताती हैं। वे कहती हैं कि प्रदर्शन करने वाले युवाओं को नीट का फ़ुल फ़ॉर्म भी नहीं पता होगा। गोया कंगना युवाओं की वैध नाराज़गी को समझने के बजाय चंद बेहूदगी दिखाने वाले छात्रों को सम्बोधित करने के बजाये उन्हीं की आड़ में पूरे आंदोलन व आंदोलनकारी युवाओं का तिरस्कार कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करती हैं। आंदोलनकारी युवाओं को अपमानित करने उन्हें धमकाने व नीचा दिखाने की ऐसी ही कोशिश टी. जी. मोहनदास नामक एक ऐसे व्यक्ति द्वारा की गयी जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ा केरल का एक प्रमुख दक्षिणपंथी राजनीतिक विश्लेषक, हिंदुत्व विचारक और भारतीय जनता पार्टी का राज्य बौद्धिक सेल का पूर्व प्रमुख है। इस व्यक्ति ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ अपने यूट्यूब चैनल 'पत्रिका' पर एक अत्यंत आपत्तिजनक,विवादित और हिंसक बयान दिया था। इस ने अपने वीडियो में प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हुए कहा कि "अगर मैं ज़िम्मेदार (अधिकार) में होता, तो जंतर-मंतर के चार वर्ग किलोमीटर के इलाक़े में कर्फ़्यू लगा देता। मैं लोगों से तीन बार वहां से हटने के लिए कहता और इसके बाद सीधे गोली चलवा देता। कुछ लोग भाग जाते, कुछ मर जाते, कुछ बच जाते और चार घंटे के भीतर स्थिति शांत हो जाती।" इसी तरह उसने प्रदर्शन में शामिल छात्राओं व महिलाओं के ख़िलाफ़ भी बेहद शर्मनाक टिप्पणी करते हुए कहा कि "प्रदर्शनकारियों में ऐसी महिलाएं शामिल हैं जिन्हें बलात्कार पसंद है" उसने वामपंथी महिलाओं को निशाना बनाकर कई अभद्र बातें कहीं। उसने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल प्रयोग और उन्हें पीटने का भी समर्थन किया। देश भर में भारी राजनीतिक और सामाजिक आक्रोश देखने के बाद केरल की तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने उसके ख़िलाफ़ भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने का इरादा) और 353(1)(b) (सार्वजनिक शांति भंग करना), आईटी एक्ट और केरल पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। उधर विवाद बढ़ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आधिकारिक तौर पर उसके बयानों से यह कहकर दूरी बना ली कि 'यह मोहनदास के "निजी विचार" हैं और संगठन इनकी कड़ी निंदा करता है'। विवादों से बचने के लिये भले ही संघ ऐसे व्यक्ति से दूरी क्यों न बनाये परन्तु इसतरह के ज़हरीले विचार कहाँ से आये कहाँ पनपे और किन संस्कारों में फले फूले इस बात से संघ अपने को नहीं बचा सकता। इसी तरह गोदी मीडिया के कई चैनल्स सत्ता के कई प्रवक्ता व सत्ता समर्थक लोगों द्वारा आंदोलन पर वामपंथी,पकिस्तान समर्थक,चीन द्वारा फ़ंडिंग प्राप्त यहाँ तक कि भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक तक को चीनी एजेंट बताने की कोशिश की गयी। यह वही जाना पहचाना पैटर्न था जोकि विवादित कृषि क़ानूनों के विरुद्ध हुये किसान आंदोलन के समय भी सत्ता पक्ष व उसके समर्थकों की ओर से देखा गया था। परन्तु जिस तरह किसान आंदोलन को ख़ालिस्तान समर्थक आंदोलन प्रचारित करने के बावजूद सरकार को किसानों के सामने घुटने टेकते हुये तीनों विवादित कृषि क़ानूनों वापस लेने पड़े थे ठीक उसी तरह युवाओं ने भी पिछले दिनों शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र लेने के बाद ही अपना आंदोलन समाप्त किया। गोया यहाँ भी सरकार को आंदोलन के सामने घुटने टेकने पड़े। ऐसे में सवाल उन सत्ता समर्थक मीडिया,नेताओं व चाटुकारों से है कि क्या स्वयं को मज़बूत बताने वाली सरकार ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा लेकर एक बार फिर पाकिस्तानी,चीनी व राष्ट्रविरोधी मंसूबों पर चलने वाले छात्र आंदोलन के सामने समर्पण कर दिया ? संघ विचारक जिन्हें गोली मारने व बलात्कार का पात्र मानते हों, सांसद कंगना रानौत जिन्हें गटर,बदबूदार,उबकाई भरा,बदसूरत और न जाने क्या क्या बताती हो, क्या सरकार ने ऐसे लोगों के सामने घुटने टेक दिये ? और क्या यह सरकार किसान आंदोलन के समय भी खालिस्तानी इरादों के सामने इसी तरह नतमस्तक हो गयी थी ? सत्ता से जुड़े लोगों,समर्थकों और सत्ता की चाटुकारिता को ही देशभक्ति समझने वालों को राष्ट्रवाद का प्रमाण पत्र बांटना बंद कर देना चाहिये अन्यथा जब जब सरकार आंदोलनकारियों के सामने नतमस्तक होगी तब तब यह सवाल भी पूछे जाते रहेंगे।

सू- दोकू क्र.118

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.117का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

शब्द सामर्थ्य -118

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

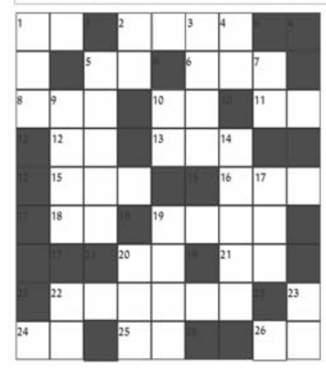

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 117 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है। पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

(व्यंग- आलेख)

हाईवे के गड्ढों का पंजीकरण

संजीव ठाकुर व्यंग्यकार,लेखक

देश की अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही थी। सरकार के सामने सबसे बड़ा प्रश्न था—राजस्व कहाँ से आए? करदाताओं की जेबें पहले ही राष्ट्रहित में इतनी हल्की हो चुकी थीं कि उनमें अब हवा भी टैक्स देकर ही प्रवेश कर सकती थी। पेट्रोल, डीज़ल, गैस, बिजली, पानी—सब अपना-अपना राष्ट्रधर्म निभा चुके थे। अब ज़रूरत किसी ऐसे स्रोत की थी जो जनता की आँखों के सामने पड़ा हो, लेकिन जिस पर अभी तक सरकार की नज़र न पड़ी हो। राजधानी में देश के नामी प्रबंधन संस्थानों के टैलेंटेड एमबीए विशेषज्ञ बुलाए गए। पाँच सितारा होटल में कई दिन तक राष्ट्र की चिंता पर गहन मंथन हुआ। कॉफी के कप बदलते रहे, प्रस्तुतियाँ चलती रहीं और अंततः निष्कर्ष निकला कि भारत की असली पूँजी सड़कों पर नहीं, सड़कों के गड्ढों में दबी है। सड़क तो केवल खर्च कराती है, गड्ढा कमाई कराता है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि देश के प्रत्येक गड्ढे का बाकायदा पंजीकरण किया जाए। उसका नाम, पता, लंबाई, चौड़ाई, गहराई और दुर्घटना कराने की क्षमता सरकारी अभिलेखों में दर्ज हो। जो गड्ढा केवल मोटरसाइकिल वाले को गिरा दे, वह 'बी' श्रेणी का। जो कार के यात्रियों की रीढ़ की हड्डी को राष्ट्रभक्ति का अनुभव करा दे, वह 'ए' श्रेणी का। और जिसमें ट्रक भी पूरे सम्मान के साथ उतर जाए, उसे राष्ट्रीय धरोहर घोषित कर दिया जाए।

एक अधिकारी ने संकोच से पूछा, इतनी मेहनत क्यों? विशेषज्ञ मुस्कराया, सर, आज डेटा ही नया तेल है और गड्ढा उसका कुआँ। बस, फिर क्या था! मंत्रालय में फाइलें इतनी तेज़ दौड़ीं कि वर्षों से सोई सड़कें भी शर्मा गईं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर नए बोर्ड लग गए धीरे चलें, आगे सरकार की आय का स्रोत सक्रिय है। जिलाधिकारियों को लक्ष्य दिया गया कि प्रत्येक जिले में गड्ढों की संख्या और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। जिन जिलों में सड़कें गलती से समतल पाई गईं, वहाँ के अधिकारियों से स्पष्टीकरण माँगा गया कि उन्होंने विकास की इस अभिनव योजना को विफल करने का दुस्साहस कैसे किया। पंचायतों को निर्देश मिला कि उत्कृष्ट गड्ढों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। सूचना-पट्ट पर लिखा गय यह गड्ढा विगत पंद्रह वर्षों से निरंतर राष्ट्रसेवा में समर्पित है। अनेक वाहनों, यात्रियों और सस्पेंशनों को सफलतापूर्वक प्रभावित कर चुका है।

कुछ जनप्रतिनिधियों ने गर्व से घोषणा की कि उनके क्षेत्र के गड्ढे पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं। बरसात में बिना सरकारी सहायता के फैल जाते हैं, गर्मी में विश्राम करते हैं और चुनाव आते ही फिर पूरे उत्साह से सक्रिय हो जाते हैं।

उधर पुलों की दरारों को भी नया सम्मान मिला। इंजीनियरों ने प्रेस वार्ता में बताया कि दरारें कमजोरी नहीं, बल्कि संरचना की लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं। हर पुल को भी अपनी बात कहने का अधिकार है।

एक बूढ़ा किसान हाथ जोड़कर बोला, साहब, सड़क कब बनेगी?

अधिकारी ने उसे दया से देखा, जैसे कोई प्रोफ़ेसर पहली कक्षा के छात्र को क्वांटम भौतिकी समझा रहा हो। बाबा, तुम बहुत पुराने विचारों में जी रहे हो। अब सड़कें नहीं बनतीं, अवसर बनते हैं। यह गड्ढा तुम्हारे गाँव की अर्थव्यवस्था बदल देगा। पंचर वाला कमाएगा, मैकेनिक कमाएगा, अस्पताल कमाएगा, दवा वाला कमाएगा। विकास का पूरा चक्र इसी में घूमता है। किसान चुप हो गया। उसे पहली बार एहसास हुआ कि उसकी टूटी हुई बैलगाड़ी का पहिया भी शायद सकल घरेलू उत्पाद में योगदान दे रहा है। सरकार ने अगला कदम भी सोच लिया। जो नागरिक गड्ढे की शिकायत करेगा, उससे पूछा जाएगा—"क्या आप विकास-विरोधी मानसिकता रखते हैं?" क्योंकि जिस वस्तु से सरकार को राजस्व मिलने की संभावना हो, उसकी आलोचना करना लगभग राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में रखा जाएगा।

बजट का दिन आया। वित्त मंत्री ने गर्व से घोषणा की इस वर्ष सकल गड्ढा उत्पाद (एस.जी.पी.) में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। दुर्घटनाओं का ग्राफ ऊपर गया है, इसलिए विकास दर भी उत्साहजनक है। पूरा सदन मेज़ें थपथपा रहा था। केवल जनता चुप थी। वह तालियाँ नहीं बजा रही थी, क्योंकि उसके दोनों हाथ अपनी गाड़ी के टूटे हुए सस्पेंशन और बढ़ती ईएमआई का हिसाब लगाने में व्यस्त थे। धीरे-धीरे देश में यह सिद्धांत स्थापित हो गया कि समस्या का समाधान करना दूरदर्शिता नहीं, उसे जीवित रखना आर्थिक बुद्धिमत्ता है। जो गड्ढा भर दिया जाए, वह केवल मिट्टी है; जो गड्ढा छोड़ दिया जाए, वही भविष्य का राजस्व है।और जिस दिन किसी राष्ट्र में सड़क से अधिक गड्ढे की उपयोगिता सिद्ध होने लगे, उस दिन समझ लीजिए कि सड़क नहीं टूटी है—शासन की प्राथमिकताएँ टूट चुकी हैं। डामर केवल सड़क से नहीं उखड़ा, जवाबदेही भी उसके साथ बह गई है। तब विकास के भाषण चिकने रह जाते हैं और जनता की राहें हमेशा की तरह ऊबड़-खाबड़।

बिजली दर वृद्धि और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस करेगी चरणबद्ध आंदोलन

■ बीजापुर में विधायक विक्रम मंडावी ने की घोषणा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 2 अगस्त। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बिजली दरों में वृद्धि, स्मार्ट मीटर और 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को लेकर कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। शनिवार को बीजापुर में आयोजित प्रेसवार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों का विरोध करेगी।

विधायक मंडावी ने बताया कि आंदोलन चार चरणों में संचालित किया जाएगा। पहले

चरण में 1 अगस्त को सभी जिलों में पत्रकार वार्ता के माध्यम से बिजली दर वृद्धि का विरोध दर्ज कराया जाएगा। दूसरे चरण में 2 अगस्त से कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने और बिजली दर वृद्धि वापस लेने के समर्थन में आवेदन एवं हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे, जो दो माह तक जारी रहेगा।

उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में एकत्रित आवेदनों के साथ जिला मुख्यालय स्थित बिजली विभाग कार्यालयों का घेराव कर ज्ञापन सौंपा जाएगा और उसकी पावती ली जाएगी। इसके बाद चौथे चरण में प्रदेशभर से प्राप्त पावतियों के साथ मुख्यमंत्री निवास का घेराव कर व्यापक प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में विधायक मंडावी ने भाजपा सरकार पर आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अब तक बिजली दरों में 31.23 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। विधायक ने स्मार्ट मीटर को लेकर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इनके लगने के बाद कई उपभोक्ताओं के बिजली बिल तीन से चार गुना तक बढ़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि बिना उपभोक्ता की सहमति के अनुबंध भार क्षमता बढ़ाकर अतिरिक्त शुल्क और अर्थदंड लगाए जा रहे हैं। जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

कांग्रेस ने सरकार के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखी हैं–बिजली दरों में की गई वृद्धि तत्काल वापस ली जाए, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः लागू की जाए तथा प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर वापस लिए जाएं।

प्रेसवार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, नीना रावतिया उद्दे, प्रवीण डोंगरे, सुखदेव नाग, गुड्डू कोरसा, संतोष गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, ज्योति कुमार, जितेंद्र हेमला, पुरुषोत्तम सल्लूर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

वीएसके ऐप की तकनीकी गड़बड़ी से नहीं कटेगा शिक्षकों का वेतन : शिक्षा मंत्री

बीजापुर, 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि VSK ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। उन्होंने बताया कि तकनीकी टीम को 15 अगस्त तक सभी त्रुटियों के समाधान के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि प्रदेश के लगभग 1.75 लाख शिक्षकों में से करीब 85 प्रतिशत (लगभग डेढ़ लाख) शिक्षक प्रतिदिन VSK ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार उनके सुझावों के आधार पर ऐप को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाएगी। साथ ही शिक्षकों से VSK ऐप का उपयोग जारी रखने और तकनीकी समस्याओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

बैठक में नक्सल पुनर्वास कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

बीजापुर, 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नक्सल पुनर्वास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और आत्मसमर्पित हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से स्वरोजगार, कौशल विकास, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन और अन्य योजनाओं से जोड़ा जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता ने प्रशासन और पुलिस के समन्वय से पुनर्वास प्रक्रिया को संवेदनशीलता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमन कुमार झा, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, जिले के समस्त अनुभागों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डिप्टी तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हाराडुला के क्षतिग्रस्त पुल से आवागमन जारी, बड़े हादसे की आशंका

कांकेर, 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के चारामा विकासखंड अंतर्गत ग्राम हाराडुला में महानदी पर बना पुल पिछले करीब एक वर्ष से क्षतिग्रस्त है। पुल की जर्जर स्थिति के बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रोजाना इससे आवागमन कर रहे हैं। लगातार हो रही बारिश और महानदी में बढ़ते जलस्तर के बीच पुल के और अधिक क्षतिग्रस्त होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार पुल को सबसे अधिक नुकसान अवैध रेत खनन और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण हुआ। समय बीतने के साथ पुल का क्षतिग्रस्त हिस्सा लगातार धंसता जा रहा है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण का कार्य शुरू नहीं हो सका है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पुल के दोनों ओर रेलिंग लगाकर चेतावनी बोर्ड स्थापित किए हैं और लोगों को पुल से आवागमन नहीं करने की सलाह दी है। इसके बावजूद कई लोग चेतावनी को नजरअंदाज कर मोटरसाइकिल और अन्य दोपहिया वाहनों से पुल पार कर रहे हैं। यह लापरवाही किसी भी समय जानलेवा साबित हो सकती है। यह पुल क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसके क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्ग लंबा होने के कारण लोग मजबूरी में इसी पुल का उपयोग कर रहे हैं। बीते दिनों हुई लगातार बारिश से महानदी सहित क्षेत्र की सभी नदियां और नाले उफान पर हैं। तेज बहाव के कारण पुल पर दबाव लगातार बढ़ रहा है और कटाव भी तेज हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत या नए पुल के निर्माण की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो बरसात के दौरान पुल के ढहने का खतरा बढ़ सकता है।

पीएमजीएसवाई में चला प्रशासन का डंडा

दो माह में 45 सड़कें हुई निरस्त, लगाए गए रिटेंडर, ठेकेदारों ने उठाए सवाल

■ भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अधिकारी की कार्रवाई से ठेकेदारों में आक्रोश, 70-80 प्रतिशत पूर्ण सड़कों को किया गया निरस्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता/ राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 2 अगस्त। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत जिले में निर्मित सड़कों को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे पूर्व कार्यपालन अभियंता (ईई) नवीन तोंडे की कार्यप्रणाली पर ठेकेदारों ने गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि द्वेषपूर्ण मानसिकता के तहत 70 से 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुकी कई सड़कों को निरस्त कर री-टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। खबर लिखे जाने तक केवल बीजापुर जिले में कुल 45 सड़कों का री-टेंडर छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण विभाग द्वारा लगाया गया है। जिसमें से 35 सड़कों का निर्माण कार्य लगभग 70 -80 फीसदी पूर्ण होने का दावा ठेकेदारों ने किया है। जिसकी पुष्टि गठित जांच टीम द्वारा किया जाना शेष है। सूत्रों के मुताबिक अब कुछ ठेकेदार अपना आर्थिक नुकसान बचाने के लिए न्यायालय का रुख अपना लिया है। वहीं विभागीय अधिकारी बताते हैं कि आज तक न्यायालय जाकर कोई भी ठेकेदार को जीत नहीं मिली है, क्योंकि ठेकेदार विभागीय प्रक्रिया, तकनीकी मापदंड एवं गुणवत्ता सहित नियमों और कंडिकाओं की उलझन में फंस कर रह जाएगा।

नक्सली खौफ के दौरान भी किया गया सड़क निर्माण: ठेकेदारों का कहना है कि फरवरी-मार्च 2026 तक नक्सली दंश झेलते हुए पुलिस बल की मदद से सड़कों का निर्माण किया जा रहा था। जिन सड़कों का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका था और जिनमें करोड़ों रुपये खर्च हो चुके थे, उन्हें भी तकनीकी आधार के बजाय कथित व्यक्तिगत द्वेष और अवैध कमीशन नहीं मिलने के कारण निरस्त किया गया।

शासन प्रशासन की छवि हो रही धूमिल: ठेकेदारों कहा कि अर्थवर्क कार्य पूर्ण करने के बावजूद भुगतान के लिए बिल नहीं बनाया गया है। भुगतान नहीं मिलने से स्थानीय स्तर पर सड़क निर्माण कार्य में लगे ट्रेक्टर, डोजर, जेसीबी, मजदूरी सहित अन्य भुगतान करने में परेशानी हो रही है, साथ ही कर्ज का बोझ भी बढ़ रहा है। जिससे आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। जिसके कारण शासन-प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है।

कीचड़ में फंसी गाड़ियां बेरंग लौटे अधिकारी: इस पूरे मामले की जांच के लिए गठित टीम हाल ही में संबंधित सड़कों का निरीक्षण करने पहुंची। लेकिन लगातार बारिश में सड़को में पुल पुलिया प्रगतिरत होने के कारण आवागमन के लिए बनाया गया डायवर्सन बह गया और कहीं कीचड़ में तब्दील हो गया। निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों के वाहन कई स्थानों पर फंस गए। भारी मशक्कत के बाद टीम को कई स्थानों से बेरंग लौटना पड़ा और निरीक्षण भी अपेक्षित रूप से नहीं हो सका।

बारिश में निरीक्षण संभव नहीं: ठेकेदारों का कहना है कि लगातार बारिश होने के कारण कई जगह बाढ़ के हालात हैं। कई नदी नाले उपान पर है। बारिश के मौसम में बीजापुर जैसे दुर्गम पहाड़ी और नदी-नालों से भरे क्षेत्रों निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करना ही संभव नहीं है।

जब हुआ तेजी गति से कार्य, तभी ही किया गया निरस्त: ठेकेदारों ने दावा है कि सरकार द्वारा नक्सली उन्मूलन के बाद मार्च-अप्रैल, मई 2026 में तेजी गति से कार्य किया जा रहा था, कार्य पूर्ण करने हेतु विभागीय स्तर से सहयोग प्रदाय किया जाता तो जून 2026 तक लगभग कार्य पूर्ण हो जाते, लेकिन तत्कालीन ईई के द्वारा ठेकेदारों को मार्गदर्शन और सहयोग नहीं किया। वहीं फॉरेस्ट क्लियरेंस भी नहीं करवाया गया जिसके कारण अनेक सड़कों में पेनाल्टी लगा है। इसके उलट नवीन तोड़ें ने मनमाने तरीके से सड़कों को बिना देखे मई 2026 में निरस्तीकरण आदेश जारी किया गया है।

निष्पक्ष जांच से सच्चाई सामने आयेगी: मालूम हो कि निरस्तीकरण उच्च अधिकारी के पूर्व अनुमति के बगैर किया गया। जब मामला उजागर हुआ तो आनन फानन में अनुमति बाद लेकर खानापूर्ति की गई। ठेकेदारों ने बताया कि अधिकांश सड़कें निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप बनाई गई हैं और यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

निरस्तीकरण व्यक्तिगत दुर्भावना से प्रेरित: ठेकेदारों ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में पदस्थ ईई नवीन तोंडे ने उन्हीं सड़कों को निरस्त कर री-टेंडर के लिए भेजा, जिनमें कथित तौर पर उन्हें अवैध कमीशन नहीं मिला। उनका कहना है कि यह पूरी कार्रवाई नियमों के बजाय व्यक्तिगत दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। जिसके कारण उनको बीजापुर से हटाकर धरमजयगढ़ भेजा गया है।

आंदोलन करने को मजबूर: मामले को लेकर ठेकेदारों ने निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा है कि यदि दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

नहीं दिया कोई जवाब: कमीशनखोरी और द्वेषपूर्ण कार्रवाई के आरोप ठेकेदारों द्वारा लगाए गए हैं। संबंधित अधिकारी का पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जवाब उपलब्ध होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। अब यह सवाल उठना लाजिमी है कि विभागीय प्रक्रिया और नियमों के उलझनों से परे विकास की राह देखते बीजापुर के ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण सड़कें मिलेगी या फिर आरोप प्रत्यारोप और दावों के बीच रिटेंडर व जांच का दौर जारी रहेगा। प्रश्न यह भी उठता है कि जिन सड़क कार्यों में ग्रामीणों व पेटी ठेकेदारों की गाड़ियाँ और पूंजी लगी है क्या उनका भुगतान मिल पाएगा? रिटेंडर होता है तो भुगतान के लिए आवेदन लेकर ग्रामीण कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबुर होंगे। शासन प्रशासन इस मामले में अब क्या रुख अख्तियार करेंगे।

अंबेली नाला में फंसे लोगों को एनडीआरएफ एसडीआरएफने सुरक्षित निकाला

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 2 अगस्त। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच भैरमगढ़ विकासखंड के कुटरू स्थित अंबेली नाला में फंसे लोगों को जिला प्रशासन की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने राहत एवं बचाव अभियान चलाकर सभी लोगों को सकुशल नाला पार कराया और उन्हें उनके गृह ग्रामों के लिए रवाना किया।राहत कार्य के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विकास सर्वे की मौजूदगी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रभावित लोगों को बिस्किट और पेयजल वितरित किया गया। प्रशासन ने आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराते हुए हरसंभव सहायता सुनिश्चित की। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं, इसलिए बहते पानी को पार करने का प्रयास न करें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल जिला प्रशासन या कंट्रोल रूम को सूचना दें।

दंतेवाड़ा में 5वीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

■ जवांगा ऑडिटोरियम में जुटेंगे जिलेभर के खिलाड़ी, दो दिवसीय प्रतियोगिता का होगा आगाज़

■ स्वस्थ तन, स्वस्थ मन का संदेश देगा योग महोत्सव, नागरिकों से सहभागिता की अपील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 2 अगस्त। जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा दंतेवाड़ा जिला योगासन खेल संघ के संयुक्त तत्वावधान में 5वीं दंतेवाड़ा जिला योगासन खेल प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ आज 03 अगस्त, प्रातः 10:00 बजे एजुकेशन सिटी जवांगा ऑडिटोरियम, गीदम में होगा। प्रतियोगिता का समापन 04 अगस्त को सायं 4:00 बजे किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री चैतराम अटामी होंगे तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नन्दलाल मुड़ामी अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर श्रीमती ओजस्वी मंडावी, श्री रजनीश सुराना, श्रीमती पायल गुप्ता, श्री अरविंद कुंजाम, श्रीमती सुनीता भास्कर, श्रीमती शकुन्तला भास्कर एवं श्री बोमड़ा कोवासी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में जिलेभर के विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी पारंपरिक, आर्टिस्टिक, पेयर एवं रिदमिक योगासन स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

योग केवल खेल नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योग से शरीर स्वस्थ, मन शांत, एकाग्रता मजबूत तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। इसी उद्देश्य के साथ आयोजकों ने जिले के सभी विद्यार्थियों, युवाओं, खिलाड़ियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने और योग के इस महापर्व को सफल बनाने की अपील की है।

बस्तर पंडुम के नाम पर सरकार ने किया भ्रष्टाचार, आदिवासी प्रदर्शन की वस्तु नहीं, शिक्षा और रोजगार चाहिए: छविंद्र कर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 2 अगस्त। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा आज जिला कांग्रेस भवन में बस्तर पंडुम के आयोजन में कथित भ्रष्टाचार और आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री छविंद्र कर्मा ने कहा कि बस्तर पंडुम आदिवासी समाज का पारंपरिक सांस्कृतिक पर्व है। यह किसी सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति, परंपरा और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस आयोजन को अपनी छवि चमकाने और राजनीतिक प्रचार का माध्यम बना दिया।उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समाज के लोगों को दिल्ली, मुंबई या विदेश घुमाए और राष्ट्रपति

से मुलाकात कराए, इससे किसी को आपत्ति नहीं है। लेकिन इससे आदिवासी युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा, न ही शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से जुड़ी उनकी समस्याओं का समाधान होगा। बस्तर के युवाओं को दिखावा नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षा, रोजगार और समान अवसर चाहिए।छविंद्र कर्मा ने आरोप लगाया कि बस्तर पंडुम के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के दौरान टेंट, कुर्सी, पंडाल और अन्य व्यवस्थाओं में 6.14 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता हुई है। यदि यही राशि जनहित के कार्यों में खर्च की जाती तो बारिश से क्षतिग्रस्त कई सड़कें, पुल-पुलिया बन सकते थे और स्थायी सामुदायिक भवनों का निर्माण हो सकता था।उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासियों के नाम पर केवल दिखावा कर रही है, जबकि बस्तर के गांवों में आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी है। बस्तर के लोग आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं और उन्हें सम्मानजनक विकास के अवसर चाहिए। श्री कर्मा ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी बस्तर ओलंपिक में ट्रैक सूट खरीदी और तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए जूते खरीदी जैसे मामलों में अनियमितताओं के आरोप लगे थे। वहीं पंचायतों के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि नहीं होने का हवाला दिया जाता है, लेकिन सरकारी आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

फसल बीमा की तिथि में हुई वृद्धि, अब 14 अगस्त तक करा सकेंगे बीमा

कांकेर, 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की निर्धारित तिथि 31 जुलाई 2026 थी, जिसमें विभिन्न संस्थाओं व कृषकों की मांग पर उक्त तिथि में वृद्धि की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले किसान बीमा कराने से वंचित न हों, इसके लिए शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अब आगामी 14 अगस्त तक फसल बीमा कराया जा सकेगा। उन्होंने सभी अऋणी किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वे आगामी 14 अगस्त तक संबंधित बैंक शाखा या नजदीकी सीएससी सेवा केंद्र अथवा वित्तीय संस्थानों में जाकर फसल बीमा योजना का लाभ अवश्य लें।

बिजली की बढ़ती दरों और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन शुरू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 2 अगस्त। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा आज जिला कांग्रेस भवन में बिजली दरों में लगातार की जा रही वृद्धि, स्मार्ट मीटर लगाए जाने तथा उपभोक्ताओं की बढ़ती समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शकील मोहम्मद रिज़वी ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिजली दरों में की गई वृद्धि वापस लेने, स्मार्ट मीटर हटाने तथा 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को पुनः लागू कराने के लिए प्रदेशव्यापी जनआंदोलन शुरू कर रही है।उन्होंने बताया कि 1 अगस्त को प्रदेश के सभी जिलों में प्रेस वार्ता आयोजित कर बिजली दरों में वृद्धि का विरोध किया जा रहा है। 2 अगस्त से कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने और बिजली दरों में वृद्धि वापस लेने की मांग को लेकर आम नागरिकों से आवेदन एवं विरोध-पत्र भरवाएंगे। यह अभियान लगातार दो माह तक चलेगा।इसके बाद प्रत्येक जिले में एकत्रित आवेदनों के साथ बिजली विभाग के कार्यालयों का घेराव कर ज्ञापन एवं आवेदन सौंपे जाएंगे तथा उनकी पावती ली जाएगी। इसके पश्चात प्रदेशभर से प्राप्त पावतियों

के साथ मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने जुलाई माह से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे, गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 20 से 40 पैसे तथा कृषि पंपों के लिए 40 पैसे प्रति यूनिट तक बिजली दरों में वृद्धि की है। कांग्रेस का दावा है कि भाजपा सरकार बनने के बाद यह बिजली दरों में पांचवीं बढ़ोतरी है तथा अब तक कुल 31.23 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है।प्रेस वार्ता में कहा गया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पांच वर्षों के दौरान बिजली दरों में केवल 2 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि हुई थी और उस समय 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना लागू होने से आम उपभोक्ताओं को राहत मिल रही थी।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान में उपभोक्ताओं को तीन से चार गुना तक अधिक बिजली बिल मिल रहे हैं। बिना उपभोक्ताओं की सहमति के उनके बिजली कनेक्शन का अनुबंध भार बढ़ाया जा रहा है तथा स्मार्ट मीटर के माध्यम से अधिक खपत दर्ज कर अतिरिक्त अर्थदंड जोड़कर बिल भेजे जा रहे हैं।कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि अधिक बिजली बिल आने के तीन प्रमुख कारण हैं–बिजली दरों में लगातार वृद्धि, बिजली बिल हाफ योजना का बंद होना तथा स्मार्ट मीटरों द्वारा अधिक खपत दर्ज किया जाना।प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि संसद में अप्रैल 2026 के दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने स्पष्ट किया था कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर पूरी तरह वैकल्पिक व्यवस्था है और किसी भी उपभोक्ता पर उसकी सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जा सकता। ऐसे में छत्तीसगढ़ में जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाए।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं– - बिजली दरों में की गई वृद्धि तत्काल वापस ली जाए। 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः लागू की जाए। - प्रदेशभर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर वापस लिए जाएं। कांग्रेस ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु जैसे राज्यों में स्मार्ट मीटर को लेकर पुनर्विचार किया गया है। इसलिए छत्तीसगढ़ सरकार भी जनहित में स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय वापस ले और आम जनता को राहत प्रदान करे।इस दौरान पीसीसी सयुक्त महामंत्री छविंद्र कर्मा, जिला महामंत्री मनीष भट्टाचार्य, जिला महामंत्री विवेक देवांगन, जिला महामंत्री वीरेंद्र गुप्ता, आदिवासी कांग्रेस प्रदेश महासचिव विमल सलाम,जिला सचिव जीतेन्द्र कश्यप, ब्लॉक अध्यक्ष दंतेवाड़ा शहर सुमित्रा शोरी,जिला कांग्रेस मिडिया प्रभारी मनीष ठाकुर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष गणेश दुर्गा मौजूद रहे।

गीदम के पुराने बस स्टैंड का कुआं बना 'डेथ ट्रैप'

दंतेवाड़ा 2 अगस्त। स्थानीय पुराने बस स्टैंड में स्थित वर्षो पुराना ऐतिहासिक कुआं अब बेजुबान पशुओं के लिए सीधे तौर पर जानलेवा साबित हो रहा है। उचित रख-रखाव और प्रशासनिक देखरेख के अभाव में इस गहरे कुएं के चारों तरफ घनी झाड़ियां उग आई हैं। हरी-भरी झाड़ियों के धोखे में आकर बेजुबान जानवर उन्हें खाने के लालच में कुएं के मुहाने तक पहुंचते हैं और सीधे इस गहरे मौत के कुएं में समा जाते हैं। कुआं पूरी तरह से झाड़ियों से घिरा होने के कारण मवेशी यह समझ ही नहीं पाते कि उनका अगला कदम उन्हें किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार बना देगा। विगत दो दिनों से एक गौ माता इस गहरे कुएं में गिरी हुई है। स्थानीय जागरूक नागरिकों द्वारा इसकी जानकारी तत्काल स्थानीय प्रशासन को दे दी गई थी, लेकिन बेहद शर्मनाक बात है कि दो दिन बीत जाने के बाद भी बेजुबान को बाहर निकालने का कोई प्रयास नहीं किया गया। दो दिनों से कुएं में पड़ी गाय के कारण अब पूरे आबादी वाले क्षेत्र और आसपास के व्यावसायिक परिसर में तीव्र दुर्गंध फैल चुकी है। इस भीषण बदबू से रहवासियों का जीना मुहाल हो गया है और इलाके में महामारी फैलने का गंभीर खतरा मंडराने लगा है।

झाड़ियों का जानलेवा जालः कुएं के मुंह को न तो ढका गया है और न ही घेरा गया है, जिससे बेजुबान पशु झाड़ियों को चारा समझकर काल के गाल में समा रहे हैं। सि यता शून्य, संवेदनहीनता चरम परः सूचना मिलने के बावजूद स्थानीय नगर निकाय या प्रशासनिक अमले का मौके पर न पहुंचना उनकी घोर लापरवाही को उजागर करता है।

जन स्वास्थ्य से खिलवाड़ः घनी आबादी वाले क्षेत्र में फैल रही तेज गंध के कारण बुजुर्गों, बच्चों और आम राहगीरों का सांस लेना दूभर हो गया है। इस पूरे घटना म से सबसे बड़ा प्रशासनिक सवाल यह उठता है कि आखिर अब तक स्थानीय प्रशासन क्यों सक्रिय नहीं हुआ?

शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि समाज व मानवता के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का संकल्प है : डेका

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण, ओ.पी. जिंदल कालेज के दीक्षांत समारोह में 688 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां, 84 मेधावी विद्यार्थी पदक से सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।

राज्यपाल डेका आज रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। ओ.पी. जिंदल स्कूल के सभागार में आयोजित इस गरिमामय समारोह में जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद नवीन जिंदल, विश्वविद्यालय की चांसलर श्रीमती शालू जिंदल, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल, जिंदल स्टील रायगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर देबोज्योति रॉय, कुलपति डॉ.आर.डी. पाटीदार सहित विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है। आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा, जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव, नई जिम्मेदारियों की शुरुआत : दीक्षांत समारोह का शुभारंभ अकादमिक शोभायात्रा एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.डी. पाटीदार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, अधोसंरचना विकास तथा सामाजिक गतिविधियों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि दीक्षांत समारोह शैक्षणिक यात्रा का समापन नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वपूर्ण जीवन की नई शुरुआत है।

84 मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान: समारोह के दौरान उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 84 विद्यार्थियों को 27 स्वर्ण, 28 रजत एवं 29 कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। उपाधियां और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों में भी उत्साह और गौरव का वातावरण देखने को मिला। समारोह के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनुराग विजयवर्गीय ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार सिंह ने किया तथा संयोजन की जिम्मेदारी डॉ. गिरीश चंद्र मिश्र ने निभाई।

कौशल विकास और नई तकनीक में दक्षता समय की आवश्यकता: नवीन जिंदल

जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद नवीन जिंदल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स तथा नई तकनीकों का युग है। ऐसे में युवाओं को नवाचार, कौशल विकास और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल संवर्धन आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

नई चुनौतियों को अवसर में बदलें युवा:शालू जिंदल

विश्वविद्यालय की चांसलर श्रीमती शालू जिंदल ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी मंजिल का अंत नहीं, बल्कि नए सपनों और नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान, मूल्यों और परिश्रम को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बनाने का आह्वान किया।

कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व से मिलेगी वास्तविक सफलता: प्रो. गोयल

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल ने कहा कि सफलता केवल व्यावसायिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान का उपयोग समाज के हित में करने का आह्वान किया।

एक नजर

तकनीकी सहयोगी संस्थाओं से 10 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

धमतरी, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DA-JGUA) के अंतर्गत वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन योजना के विकास के लिए जिला धमतरी में तकनीकी सहयोगी संस्थाओं, सिविल सोसायटी ऑर्गेनाइजेशन एवं स्थानीय संस्थाओं से 10 अगस्त 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) धमतरी से जारी सूचना के अनुसार भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चयनित संस्थाएं ग्रामसभाओं को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना तैयार करने तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगी। इसके लिए भारत सरकार द्वारा आवश्यक वित्तीय सहायता का भी प्रावधान किया गया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन 13 अगस्त तक

धमतरी, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी शहरी के तहत स्वामी विवेकानंद वार्ड धमतरी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आगामी 13 अगस्त तक आवेदन मंगाए गए हैं। परियोजना अधिकारी ने बताया कि बारहवीं अथवा पूर्ववर्ती ग्यारहवीं उत्तीर्ण तथा 18 से 44 वर्ष तक की आयु की उसी वार्ड की निवासी इसके लिए आवेदन कर सकतीं हैं। इच्छुक आवेदिका ई-भर्ती पोर्टल URL- https://aww.e-bharti.in पर जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकतीं हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आवेदन अमान्य किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय धमतरी शहरी से सम्पर्क किया जा सकता है।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर जिला प्रशासन की सख्ती

धमतरी, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संयुक्त अभियान प्रारंभ किया है। इसी कड़ी में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की वर्चुअल बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक भावना पाण्डेय, सहायक संचालक शिक्षा यदुनंदन वर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के नाबालिग बच्चों द्वारा दोपहिया अथवा अन्य वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उनके स्वयं के जीवन और अन्य नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

बारभौना में रेत के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई 10 ट्रैक्टर सहित एक ट्रैक्टर लोडर किया जब्त

शिकायत मिलते ही संयुक्त टीम ने की त्वरित कार्रवाई, जब्त वाहनों को पुलिस थाना छाल में रखा गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज ग्राम बारभौना में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की शिकायत पर खनिज विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नदी से 10 ट्रैक्टर एवं एक ट्रैक्टर-लोडर जब्त किया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक अपने वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

ग्राम बारभौना में नदी से अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान नदी क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए कुल 10 ट्रैक्टर तथा एक ट्रैक्टर-लोडर पाया गया। टीम को देखते ही वाहन चालक अपने-अपने वाहन मौके पर छोड़कर भाग निकले, जिसके बाद सभी वाहनों को विधिवत जब्त कर लिया गया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सभी 10 ट्रैक्टर एवं एक ट्रैक्टर-लोडर को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस थाना छाल की सुपुर्दगी में सुरक्षार्थ रखा गया है। प्रकरण में संबंधित वाहन मालिकों एवं अवैध उत्खनन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

अवैध खनन पर प्रशासन की पैनी नजर, कार्रवाई रहेगी लगातार जारी

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिजों के अवैध कारोबार पर प्रभावी निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

नशामुक्त युवा, विकसित भारत के संकल्प के साथ रायगढ़ में राष्ट्रव्यापी अभियान का शुभारंभ

रायगढ़, 2 अगस्त (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं को नशे की गिरफ्त से मुक्त कर स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के उद्देश्य से नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ 2 अगस्त को प्रधानमंत्री के कर-कमलों से किया गया। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले में भी अभियान का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से 11:30 बजे तक कलेक्टोरेट परिसर स्थित सृजन सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी तथा सहायक कलेक्टर गोकुल आर.के. के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नशामुक्त भारत का संकल्प दिलाया जाएगा तथा विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा युवाओं को संबोधित करते हुए नशे से दूर रहने, सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संदेश दिया जाएगा। अभियान के अंतर्गत युवाओं में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा। जिला प्रशासन ने बताया कि यह अभियान केवल एक दिवसीय कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी 109 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, संवाद, शपथ, जनभागीदारी एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिले के सभी युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रावासों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, खेल संघों एवं संस्थाओं के खिलाड़ियों, एनसीसी, एनएसएस के कैडेटों तथा स्वयंसेवकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

अवैध महुआ शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई,दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों से 6 लीटर महुआ शराब और बाइक जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। कलेक्टर के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध महुआ शराब एवं एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

आबकारी विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 जुलाई 2026 को आबकारी वृत्त रायगढ़ (दक्षिण) अंतर्गत आबकारी जांच चौकी रेंगालपाली में वाहनों की सघन जांच के दौरान ग्राम कोसमंदा, थाना पुसौर निवासी शशि सिदार को लाल रंग की हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल से कनकतुरा से पुसौर की ओर 06 लीटर ओडिशा निर्मित महुआ शराब का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 1,200 रुपये आंका गया है। इसी कार्रवाई के दौरान ग्राम तेतला, थाना पुसौर निवासी कन्हैया पटेल को उसके रिहायशी मकान से 5.050 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 1,010 रुपये बताया गया है।

दोनों आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक याजेन्द्र मेहर, आबकारी मुख्य आरक्षक दिनेश्वर सिंह कंवर तथा महिला आबकारी आरक्षक समिता चक्रेश की भूमिका रही। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी तरह निरंतर जारी रहेगा।

समाचार संक्षेप

मलेरिया और अन्य मच्छरजनित रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन अलर्ट

- जिले में गांव से लेकर शहर तक चलेगी समन्वित कार्रवाई
- कलेक्टर ने दिए व्यापक अभियान के निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। मानसून के मौसम में मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित रोगों के संभावित प्रसार की आशंका के मद्देनजर जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य, नगरीय निकाय, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास सहित संबंधित विभागों को समन्वित रूप से रोकथाम, निगरानी, स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान का उद्देश्य संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना, संक्रमण की श्रृंखला को प्रारंभिक स्तर पर ही रोकना तथा आमजन को मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित रोगों से सुरक्षित रखना है। कलेक्टर ने कहा कि मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए फील्ड स्तर पर नियमित निगरानी रखी जाए तथा किसी भी क्षेत्र में मलेरिया के संभावित मामलों की सूचना मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में मलेरिया जांच किट, आवश्यक दवाइयों एवं उपचार संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच एवं उपचार करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य दलों को ग्रामीण एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर संभावित मरीजों की पहचान, रक्त जांच, आवश्यक उपचार तथा जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने को कहा गया है।

कलेक्टर ने इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम के तहत अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

- वर्षा ऋतु के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं एवं आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने प्रशासन सतर्क
- आपात स्थिति में टोल फ्री नंबर 1070 अथवा दूरभाष नंबर 94791-93299 पर दे सकते हैं सूचना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। वर्षा ऋतु के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं एवं आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति के अनुरूप जिला स्तर पर इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम को सक्रिय करते हुए विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। कलेक्टर ने आदेश जारी कर समस्त गतिविधियों के लिए सहायक कलेक्टर गोकुल आर.के. को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अपूर्व प्रियेश टोप्पो को इंसिडेंट कमांडर नियुक्त कर आपदा प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों के निर्देशन, नियंत्रण एवं समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करेंगे। इंसिडेंट कमांडर की अनुपस्थिति में प्रभारी अधिकारी आपदा प्रबंधन एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल इंसिडेंट कमांडर के दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

जारी आदेश के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी को सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित जिम्मेदारी दी गई है। वे प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, संभावित जोखिमों के आकलन एवं आवश्यक समन्वय का कार्य करेंगे। वहीं डिप्टी कलेक्टर धनराज मरकाम को विभिन्न विभागों, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने का दायित्व सौंपा गया है।

जिले में सहकारिता व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती, सचिव सी.आर. प्रसन्ना ने किया कोतरा पैक्स का औचक निरीक्षण

सहकारी समितियों को बनाया जाएगा बहुउद्देशीय सेवा केंद्र, डिजिटल सेवाओं व आयवर्धक गतिविधियों के विस्तार के निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 2 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को सशक्त, आधुनिक और किसान हितैषी बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में सहकारिता विभाग के सचिव सी.आर. प्रसन्ना ने रायगढ़ जिले के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कोतरा (पंजीयन क्रमांक-20) का औचक निरीक्षण कर समिति के संचालन, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, सीईओ जिला पंचायत अभिजीत बबन पठारे तथा उप आयुक्त सहकारिता भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान सहकारिता सचिव सी.आर.प्रसन्ना ने समिति के कार्यालयीन व्यवस्थाओं, अभिलेखों, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, भंडारण व्यवस्था एवं विभिन्न सहकारी गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखते हुए उन्हें बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाना आवश्यक है, ताकि किसानों को कृषि से जुड़ी अधिकतम सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले। सचिव प्रसन्ना ने विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के अंतर्गत रायगढ़ जिले में निर्माणाधीन तीन गोदामों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित समय-सीमा तथा तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक भंडारण सुविधाओं के विकसित होने से किसानों की उपज सुरक्षित रहेगी तथा उन्हें बेहतर विपणन एवं उचित मूल्य प्राप्त करने में सुविधा होगी।

सचिव प्रसन्ना ने राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम की योजनाओं के माध्यम से समितियों में आयवर्धक गतिविधियों, कृषि अधोसंरचना तथा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का तेजी से विस्तार करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी समितियों को मल्टी-पर्पज पैक्स के रूप में विकसित कर उन्हें कृषि आदान वितरण, भंडारण, विपणन, उपभोक्ता सेवाओं तथा अन्य जनोपयोगी गतिविधियों का केंद्र बनाने पर जोर दिया, जिससे समितियां आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। सहकारिता सचिव ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में कॉमन सर्विस सेंटर की सभी सेवाओं का विस्तार करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न शासकीय एवं डिजिटल सेवाओं के लिए दूर-दराज न जाना पड़े। इसके साथ ही समिति को शीघ्र ई-डिस्ट्रिक्ट आईडी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे प्रमाण-पत्र एवं अन्य ऑनलाइन सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा सकें।

सचिव प्रसन्ना ने वीबी-जीराम जी योजना के अंतर्गत उपार्जन केंद्रों में अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए पक्के चबूतरों का निर्माण कराने के निर्देश दिए। साथ ही नेफेड के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी में समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हो और सहकारी समितियों की भूमिका और अधिक प्रभावी बन सके। निरीक्षण के दौरान सचिव प्रसन्ना ने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप सहकारी समितियों को ग्रामीण विकास, कृषि उन्नयन एवं किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्देशों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाना प्रदेश के समग्र ग्रामीण विकास और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एक नजर

सेवा सेतु बना बेटियों के सपनों का संबल

रायपुर, 2 अगस्त। राज्य सरकार की सुशासन और डिजिटल सेवा व्यवस्था को मजबूत करने वाली सेवा सेतु पहल आज प्रदेश के हजारों परिवारों के लिए भरोसे का माध्यम बनती जा रही है। अब नागरिकों को छोटे-छोटे प्रमाण-पत्रों और शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि एक ही केंद्र पर पारदर्शी, सरल और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी दंतेवाड़ा जिले के बड़े बचेली क्षेत्र से सामने आई है, जहां श्री मुन्ना राम अपनी पुत्री सरिता की उच्च शिक्षा को लेकर चिंतित थे। कॉलेज में प्रवेश के लिए आय प्रमाण-पत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों की जरूरत थी, लेकिन दस्तावेज समय पर उपलब्ध न होने से उनकी बेटी की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका थी। परिवार ने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया। केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आवेदन की त्वरित प्रक्रिया पूरी करते हुए आवश्यक आय प्रमाण-पत्र समय पर जारी कर दिया। दस्तावेज मिलने के बाद सरिता का उच्च शिक्षा में प्रवेश सुनिश्चित हो सका और उसकी पढ़ाई बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सकी। श्री मुन्ना राम ने बताया कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की परेशानी होती थी। अब सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि समय पर दस्तावेज मिलने से उनकी बेटी का भविष्य सुरक्षित हुआ और परिवार की बड़ी चिंता दूर हो गई। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु जैसी व्यवस्था ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए सुशासन का वास्तविक उदाहरण है। यह पहल न केवल प्रशासन को नागरिकों के करीब ला रही है, बल्कि बेटियों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य और आम लोगों के आत्मविश्वास को भी नई मजबूती दे रही है। राज्य सरकार द्वारा डिजिटल और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार से यह स्पष्ट हो रहा है कि सुशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों तक समय पर उनका लाभ पहुंचाना है। सेवा सेतु केंद्र आज प्रदेश में शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, प्रमाण-पत्र, राजस्व और अन्य शासकीय सेवाओं को सरल बनाकर नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

आरसेटी के नवनियुक्त निदेशक बैजनाथ कुमार ने किया पदभार ग्रहण

बलौदाबाजार, 2 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बलौदाबाजार के नवनियुक्त निदेशक बैजनाथ कुमार में पदभार ग्रहण किया।जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक शिव कुमार कंवर ने उन्हें प्रभार दिया। निरीक्षण के दौरान श्री कंवर ने संस्थान में संचालित ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के अनुभव एवं स्वरोजगार की संभावनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को बैंकिंग सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने हेतु बैंक खाता खोलने, विभिन्न बीमा योजनाओं का लाभ लेने तथा साइबर ठगी एवं बैंकिंग फ्रॉड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल बैंकिंग का सुरक्षित उपयोग करने और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम पिन अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी।

निगम के पांच वार्डो को मिली 76 लाख रुपए के विकास कार्यो की सौगात

रायपुर 2 अगस्त। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 61, 63, 64, 65 एवं 66 को आज शनिवार को 76 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साढ़े 36 लाख रूपये के विकास कार्यो का लोकार्पण किया गया, तो वहीं साढ़े 39 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसपर पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 65 भैरोताल के अंतर्गत 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से शासकीय माध्यमिक शाला में नवीन भवन एवं शौचालय का निर्माण कराया गया है, तो वहीं वार्ड क्र. 66 पंखादफई अंतर्गत 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने इन नवनिर्मित दोनों विकास कार्यो को जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित किया।

शिक्षा का उद्देश्य बेहतर इंसान बनाना है, केवल डिग्री दिलाना नहीं: बृजमोहन अग्रवाल

- **गुरु पूर्णिमा पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शिक्षकों का किया सम्मान, विद्यार्थियों को दिए संस्कार और धैर्य के मंत्र**

रायपुर, 2 अगस्त। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल शनिवार को भारतीय जनता पार्टी शिक्षा प्रकोष्ठ, जिला रायपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ व सेवानिवृत्त शिक्षकों, युवा अध्यापकों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में अपने जीवन का मार्गदर्शन करने वाले गुरुजनों की उपस्थिति से भावुक हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि माँ-बाप जीवन के पहले शिक्षक होते हैं और उनके बाद बच्चा अपना सबसे महत्वपूर्ण समय स्कूल में बिताता है। उन्होंने कहा, ÷आज मुझे उन गुरुओं का सम्मान करने का सौभाग्य मिला है जिन्होंने कभी मुझे पढ़ाया और गढ़कर इस योग्य बनाया कि मैं समाज की सेवा कर सकूं। एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, उसका पूरा जीवन सीखने और सिखाने के लिए होता है।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद ने ज्ञान और शिक्षा के बीच के बारीक अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विषय पढ़ाना और जानकारी देना ज्ञान है, जबकि शिष्टाचार, एटीकेट, बड़ों का आदर करना और सही-गलत की पहचान कराना वास्तविक 'शिक्षा' है।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चा कच्ची मिट्टी की तरह होता है, जिसे गढ़कर एक बेहतर इंसान बनाने की जिम्मेदारी शिक्षक की होती है। उन्होंने शिक्षकों को सलाह दी कि वे केवल विषयों के अध्यापक बनकर न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के साथ ऐसा आत्मीय और दोस्ताना संबंध बनाएं कि बच्चे अपने सुख-दुख और परेशानियां उनसे साझा कर सकें। सेवानिवृत्त शिक्षकों से भी उन्होंने आग्रह किया कि वे समय-समय पर अपने पुराने स्कूलों में जाकर बच्चों और नए शिक्षकों का मार्गदर्शन करते रहें।

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने जीवन में धैर्य और सादगी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आजकल बच्चों में धैर्य की कमी आ रही है, जो कई समस्याओं की वजह बन रही है। उन्होंने कहा कि माता-पिता या शिक्षक यदि किसी बात के लिए मना करते हैं या डांटते हैं, तो उसके पीछे बच्चों का ही भला छिपा होता है।

अनावश्यक देखा-देखी और बाहरी शहरों में जाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए सांसद ने कहा कि बीकॉम, बीएससी या बीबीए जैसी सामान्य पढ़ाई के लिए माता-पिता पर कर्ज का बोझ डालकर दूसरे शहरों या विदेशों में जाने की जरूरत नहीं है, जब ये सुविधाएं हमारे छत्तीसगढ़ में ही बेहतर ढंग से उपलब्ध हैं। हाँ, यदि कोई स्पेस टेक्नोलॉजी या सुपर कंप्यूटर जैसे विशेष और एक्स्ट्रा-ऑर्डिनरी कोर्स करने हों, तब जरूर बाहर जाएं, जिसके लिए सरकार और बैंक भी सहयोग करते हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक श्री मोतीलाल साहू जी, श्री कांतिलाल जैन, ननि सभापति श्री सूर्यकांत राठौर, श्री अभिषेक अग्रवाल जी, जोन अध्यक्ष श्री अंबर अग्रवाल जी, श्री सचिन मेघानी जी समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के रायपुर शहर शिक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक श्री अभिषेक अग्रवाल समेत समस्त पदाधिकारियों को सहित पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षा प्रकोष्ठ इसी प्रकार समाज में संस्कार, संस्कृति और परंपराओं को सहेजने की दिशा में काम करता रहेगा।

अदाणी फाउंडेशन ने तिल्दा ब्लॉक में 4000 से अधिक विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूल बैग

- **अदाणी पावर लिमिटेड के आसपास के 16 गांवों के 41 शासकीय विद्यालयों को किया गया शामिल**
- **इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को विद्यालय में नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए किया प्रोत्साहित**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 2 अगस्त। अदाणी फाउंडेशन द्वारा अपनी उत्थान परियोजना के अंतर्गत रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के 41 शासकीय स्कूलों में चार हज़ार से अधिक स्कूल बैग बाँटे हैं। इस पहल के तहत अदाणी पावर लिमिटेड के आसपास के ग्राम भाटापारा, रायखेड़ा, मोहरेंगा, मुरा, चिचोली, बरतोरी, खम्हारिया, ताराशिव, कोनारी, गैंतरा, तुलसी इत्यादि सहित कुल 16 गांवों के विद्यार्थी लाभान्वित हुए। इस विशेष कार्यक्रम में 10 से 28 जुलाई तक 18 दिनों तक चले अभियान में कक्षा 1 से 12वीं तक के कुल 41 विद्यालयों के 4,393 विद्यार्थियों में स्कूल बैग वितरित किए गए। इसका उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है।

ग्राम भाटापारा से शुरू किए गए स्कूल बैग वितरण के कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्वाति वर्मा, ग्राम पंचायत रायखेड़ा के सरपंच दिनेश वर्मा ने उपस्थित छात्रों को स्कूल बैग प्रदान किया। सभी 16 गांवों में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य, शाला प्रबंधन समितियों के सदस्यों सहित, ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं उपसरपंच, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सहभागिता निभाई तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इसके अलावा अदाणी पॉवर लिमिटेड के अधिकारीगण जिनमें सुरक्षा विभाग प्रमुख, सीनियर मैनेजर, फाइनेंस विभाग के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, टेक्नोकॉमरशीयल विभाग के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन अदाणी फाउंडेशन की सीएसआर हेड के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें टीम सीएसआर ने विशेष भूमिका निभाई।

इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराते हुए उन्हें विद्यालय में नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस पहल के अंतर्गत चार शासकीय नवीन प्राथमिक शालाएँ, सात शासकीय हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी शालाएँ, एक स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम विद्यालय, एक राष्ट्रीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित 16 शासकीय प्राथमिक शालाएँ व 12 शासकीय पूर्व माध्यमिक शालाओं को शामिल किया गया है। ग्राम पंचायत ताराशिव के शासकीय हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी शालाएँ में आयोजित कार्यक्रम में सरपंच मनीष वर्मा ने कहा, अदाणी फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। स्कूल बैग वितरण जैसी पहल विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के साथ-साथ उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए भी प्रेरित करती है। ग्राम पंचायत रायखेड़ा के स्कूल में सरपंच दिनेश वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, अदाणी फाउंडेशन केवल आधारभूत विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए फाउंडेशन की यह पहल अनुकरणीय है। ग्राम पंचायत मुरा के हाई स्कूल में छात्रों के समक्ष सरपंच श्रीमती कंचन गायकवाड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ÷ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने की यह पहल अत्यंत प्रेरणादायक है। ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ता है तथा अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होता है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सतत एवं समर्पित प्रयासों की कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायतों के सरपंचों, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समितियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सराहना की एवं भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं शिक्षा उन्मुख कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की। अदाणी फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्यरत है। यह पहल ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए आवश्यक शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जो उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण तथा ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की फाउंडेशन की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करता है।

जर्जर सड़क से बढ़ी मुश्किलें, मरम्मत नहीं हुई तो कांग्रेस ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 2 अगस्त। सिमगा-हथबंद मुख्य मार्ग पर जंक्शन ढाबा के समीप पिछले लगभग डेढ़ महीने से सड़क अत्यंत जर्जर स्थिति में है। बड़े-बड़े गड्ढों के कारण इस मार्ग पर आवागमन करने वाले हजारों लोगों को प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा के अध्यक्ष रिंकू भाटिया एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व में सिमगा तहसीलदार श्री अनुराग भट्ट को ज्ञापन सौंपकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। रिंकू भाटिया ने बताया कि यह मार्ग सिमगा, हथबंद एवं आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां से प्रतिदिन स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थी, फैक्ट्रियों में कार्यरत कर्मचारी, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी, व्यापारी तथा बड़ी संख्या में आम नागरिक आवागमन करते हैं। इसके साथ ही इस मार्ग से प्रतिदिन भारी संख्या में ट्रकों का भी आवागमन होता है। सड़क की जर्जर हालत के कारण ट्रक चालकों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार ट्रक गड्ढों में फंस जाते हैं, जिससे लंबा जाम लग जाता है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आए दिन छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को समय रहते ज्ञापन देकर सड़क की मरम्मत कराने का आग्रह किया गया था, लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। यदि शीघ्र ही इस मार्ग की मरम्मत कर इसे सुरक्षित एवं आवागमन योग्य नहीं बनाया गया, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिमगा आम जनता, ट्रक चालकों और क्षेत्रवासियों के सहयोग से उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 2 अगस्त। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत के संयुक्त तत्वावधान में 2 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ करेंगे।इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें स्वस्थ, सशक्त एवं राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

शुभारम्भ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के. साथ ही जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधिगण, स्काउट एवं गाइड, एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवक, खेल संघों के पदाधिकारी, प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम में जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलिटेक्निक संस्थानों, विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्रों, युवा संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, व्यापारिक एवं व्यावसायिक संगठनों तथा विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं युवा भी कार्यक्रम में शामिल होकर नशामुक्त भारत के संकल्प के सहभागी बनेंगे। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सभी संबंधित विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक एवं युवा संगठनों से कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है ताकि समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जन-जागरूकता उत्पन्न हो तथा युवाओं को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

आधार सेवा केंद्र बना ग्रामीणों के लिए भरोसे का आधार

रायपुर, 2 अगस्त। राज्य शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए संचालित आधार सेवा केंद्र अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी श्रीमती आयते की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है, जिनकी वर्षों पुरानी आधार संबंधी समस्या का समाधान होने से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ फिर से मिलने लगा है। श्रीमती आयते लंबे समय से आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण परेशान थीं। आधार निष्क्रिय होने से उन्हें पेंशन, राशन और अन्य शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाने से वे निराश हो चुकी थीं। इसी बीच उन्हें जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है।

मवेशियों पर स्कार्पियो चढ़ाने वाले चालक के खिलाफ गिरौदपुरी पुलिस ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 2 अगस्त। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में सड़क दुर्घटनाओं एवं बेजुबान मवेशियों के प्रति लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले बेपरवाह चालकों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में लगातार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस चौकी गिरौदपुरी (थाना गिधौरी-टुण्डरा) पुलिस द्वारा ग्राम मड़वा में मवेशियों को कुचलने वाले स्कार्पियो चालक के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त वाहन जप्त किया गया है। दिनांक 30.07.2026 को रात्रि लगभग 08:00 बजे ग्राम मड़वा के बाजार के पास स्कार्पियो वाहन क्रमांक छत्त-22-रू-1500 के चालक द्वारा अपने वाहन को अत्यधिक तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए सड़क पर खड़े 03 बछड़ा एवं 03 गायों के ऊपर वाहन चढ़ा दिया गया था। इस भीषण दुर्घटना में मौके पर ही 03 बछड़ा एवं 02 गायों की दर्दनाक मृत्यु हो गई तथा 01 गाय गंभीर रूप से घायल होकर लंगड़ाने लगी।

मामले में प्रार्थी शिव कुमार जायसवाल (निवासी मड़वा) की रिपोर्ट पर पुलिस चौकी गिरौदपुरी द्वारा आरोपी स्कार्पियो चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 154/2026, धारा 325 ब्रह्स के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए मृत 03 बछड़ों एवं 02 गायों का पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम (क्करू) कराकर कफन-दफन कराया गया तथा घायल 01 गाय का पशु चिकित्सकों द्वारा तत्काल इलाज शुरू कराया गया। ारोपी की गिरफ्तारी एवं वाहन जप्तीः चौकी गिरौदपुरी पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के आरोपी लखन लाल यादव उर्फ संतोष यादव को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से दुर्घटना कारित करने वाले सफेद रंग के स्कार्पियो वाहन (क्रमांक छत्त-22-रू-1500) को जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई है।

मलेरिया-डेंगू रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 2 अगस्त। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में वर्षा ऋतु में मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए नागरिकों से अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, कहीं भी पानी जमा न होने देने, कूलर एवं पानी संग्रहित करने वाले पात्रों की नियमित सफाई करने, मच्छरदानी का नियमित उपयोग करने तथा मलेरिया या डेंगू के लक्षण जैसे बुखार आने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र में मलेरिया की जांच हेतु रैपिड डायग्नोस्टिक किट, आवश्यक दवाइयां तथा लार्वीसाइड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है तथा स्वास्थ्य कर्मियों को सतत निगरानी, डेंगू संदिग्ध मरीजों की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन तथा त्वरित कार्रवाई करने कहा गया है। जिले में लगातार फीवर सर्वे, स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया एवं डेंगू की जांच, तथा शीघ्र उपचार की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिससे संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित किया जा सके। जनजागरूकता के लिए जिले में आईईसी एवं बीसीसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को घर एवं आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर, टंकी, गमलों एवं अनुपयोगी पात्रों का पानी नियमित रूप से खाली करने, मच्छरदानी का उपयोग करने तथा बुखार होने पर तत्काल जांच कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

उप निरीक्षक विकास देशमुख के थाना प्रभारी पद पर पदोन्नत होने पर सम्मान समारोह आयोजित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 2 अगस्त। तिल्दा नेवरा थाना में पदस्थ उप निरीक्षक विकास देशमुख के थाना प्रभारी के पद पर पदोन्नत होकर सूरजपुर थाना प्रभारी नियुक्त होने पर शनिवार को तिल्दा नेवरा थाना परिसर में भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना परिवार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री देशमुख को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि उप निरीक्षक विकास देशमुख ने तिल्दा नेवरा में अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, निष्पक्ष कार्यशैली तथा जनसामान्य के प्रति संवेदनशील व्यवहार से अपनी अलग पहचान बनाई। कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण तथा विभिन्न सामाजिक और जनजागरूकता अभियानों में उनका योगदान सराहनीय रहा। उनके नेतृत्व, सहयोगात्मक स्वभाव और टीम भावना को हमेशा याद रखा जाएगा। विदाई समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विकास देशमुख को पदोन्नति की बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे सूरजपुर थाना प्रभारी के रूप में भी अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी और नेतृत्व क्षमता से पुलिस विभाग का नाम रोशन करेंगे तथा आम जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। इस अवसर पर अपने संबोधन में विकास देशमुख ने तिल्दा नेवरा थाना परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तिल्दा नेवरा में मिला सहयोग, स्नेह और अपनापन उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी सफलता के पीछे पूरी टीम का सहयोग होता है और यहां के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी ने हमेशा परिवार की तरह साथ दिया, जिसके लिए वे सभी के प्रति कृतज्ञ हैं। कार्यक्रम का माहौल भावुक रहा। साथियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल की यादें साझा कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सम्मानपूर्वक विदाई दी। समारोह का समापन शुभकामनाओं एवं सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ।

वन महोत्सव में राजस्व मंत्री सहित सभी अतिथियों ने पौधारोपण किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,2 अगस्त। जिला स्तरीय वन महोत्सव 2026 का आयोजन शनिवार को मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, सकरी (बलौदाबाजार) में उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष शआकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री सहित सभी अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों के लिए रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही जंगलों को आग से सुरक्षित रखने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वनसाथियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया एक पेड़ मां के नाम एक सन्देश के साथ ही देशव्यापी महाअभियान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे जीवित रखना, उसकी नियमित देखभाल करना और उसे एक बड़े वृक्ष के रूप में विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। तभी यह अभियान अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।

हैं हजार जख्म दिल में, मगर अब भी हंस रहा हूं... मेरे दोस्तों को मेरी, यही बात खल रही है...

दुनिया में कोई ऐसी हुकूमत नहीं हुई है जो समय के साथ मिट नहीं गई।कोई जल्दी गया तो कोई देर से मिटा....! क्या मंगोल, क्या हूण, क्या मुगल, क्या अंग्रेज,

क्या हिटलर, क्या रूस, क्या इंदिरा... और क्या मोदी.? फर्क इतना है, कांग्रेस की जो दुर्गति 70 सालों में हुई, भाजपा उस गति को 12 सालों में प्राप्त हो जाएगी..!' इंदिरा गांधी ने जोअपयश 24 सालों में कमाया था, मोदी उस अपयश को सिर्फ12 सालों में कमा चुके हैं।भूमि अधिग्रहण बिल, नोटबंदी से शुरू नाकामियों का सिलसिला... ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अचानक युद्ध विराम, यूजीसी पर यूटर्न, अब धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक जारी है..? गोदी मीडिया भी कितना कवर करे, न्यायपालिका कब तक सपोर्ट करे, नौकरशाही भी कहां तक गुलामी करे? सरकार के भी भीतर खुसपुस, संगठन में बढ़ती बेचैनी, भक्तों की बढ़ती नाराजगी, मोदीजी तक भले ही न पहुंच रही, लेकिन अब मौसम बदलने लगा है, अब तो सभी लोग महसूस कर रहे हैं, समय की चक्की धीमी जरूर चलती है लेकिन बहुत महीन पिसती है, अंग्रेजीराज में सूरज नहीं डूबता था? बाद में 'इंडिया इज इंदिरा' का नारा लगता था, राजीव गांधी ने 400 सीट हासिल की थी, विश्वनाथ सिंह देश की तकदीर थे, आडवाणी को लौहपुरुष कहते थे, मोदी जी का साथ उनके कट्टर समर्थक भी छोड़ रहे हैं? बढ़ती आयु, घटते औरा से संघ और समर्थकों में चिंता बढ़ती जा रही है। किसी को तो योगी में भविष्य दिख रहा है तो किसी को हिमंता में..,

गुजरातियों से दुखी महाराष्ट्र की लॉबी वाले देवेंद्र और गडकरी जैसे नेता भी मौके का इंतजार कर रहे हैं। संघ -शाह के बीच खटास बढ़ रही है। सरकार पहले से बैसाखियों पर है। राहुल की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में मोदी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ है, एक पत्ता भी इधर से उधर हुआ, ताश का महल ढहते देर नहीं लगेगी! जहाज जब तक तैरता है, सब कप्तान का ही हुक्म मानते हैं, जहाज में छेद होते ही सभी जान बचाने की फिक्र में लग जाते हैं। धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, वो भी मामूली बात पर और सिर्फ10 हजार लोगों की भीड़ जमा होने पर, किसी को पच नहीं रही है। विरोधी इसे अपनी जीत मान रहे हैं, समर्थक लोकतंत्र का हवाला देकर बचाव कर रहे हैं। किसान आंदोलन में 500 की मौत के बाद भी सरकार एक साल तक नहीं झुकी थी, जबकि कृषि कानून बकायदा संसद से पारित हुए थे। इस बार पेपर लीक के मुद्दे पर एक महीना चले आंदोलन से सरकार घबरा गई? यह दिखाता है कि मोदीजी अब कमजोर पड़ रहे हैं।शारीरिक-मानसिक दृढ़ता अब धीरे धीरे कम हो रही है। उनको भविष्य की चिंता सताने लगी है।वो खुद को इतिहास में हिटलर नहीं बल्कि नेहरू की जगह देखने लगे हैं।वही नेहरू जिनका वो दिन रात मजाक उड़ाते हैं.... आज उसी नेहरू की परछाई बनना चाहने लगे हैं।वो चाहते हैं कि उनका कार्यकाल एक स्टेट्समैन की तरह याद किया जाए लेकिन उनकी अबतक की बनाई गई छवि के विपरीत होगा। समर्थक उनको 2002 के गुजरात के सीएम की तरह पसंद करते हैं, पार्टी उनको भगवान की तरह पूजती है, संगठन उनसे और कठोर निर्णय लेने की अपेक्षा रखता है, लेकिन नरेंद्र मोदी को शायद बदलते समय का अहसास हो चुका है। अब वह किसी तरह सत्ता में बने रहना चाहते हैं, उन्हें अब हर समझौता मंजूर होगा और यही पराभव, अपयश का कारण बनेगा। आडवाणी की आह अब असर ला रही है...?

राष्ट्रपति भवन में विशेष अतिथि बने बस्तरिहा...

'राष्ट्रपति भवन' में एक नया इतिहास रचा गया, पहली बार बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक-परंपराओं और वेशभूषा का अप्रतिम वैभव नजर आया, सीएम विष्णुदेव साय के साथ बस्तर के 209 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल का स्वागत करते राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न केवल आत्मीयता से सभी को खुद भोजन परोसा, बल्कि बस्तर दशहरा, बस्तर पंडुम में शामिल होने की भी इच्छा जताई, इस दौरान सी एम ने बस्तर की 300 साल पुरानी 'झिटकू-मिटकी' कला कृति भेंट की, जिसे देखकर राष्ट्रपति अभिभूत नजर आईं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रति भागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने स्वयं अतिथियों को भोजन परोस आत्मीयता का परिचय दिया, राष्ट्रपति ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से अनौपचारिक चर्चा कर बस्तर की जनजातीय संस्कृति, लोक कलाओं, परं परागत सामा जिक व्यवस्था एवं बस्तर पंडुम के आयोजन से जुड़े अनुभवों कीजानकारी भी ली।

हसदेव की हवा बदल रही है...

इलेक्ट्रोनिक मिडिया में एक विज्ञापन चल रहा है जिसमें बताने का प्रयास है, अडानी के इस क्षेत्र में सक्रिय होने से यहां की हवा बदल रही है..., वैसे जिस बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हो रही है निश्चित ही हसदेव, सरगुजा ही नहीं छ्ग की हवा बदल जाएगी? छ्ग के हसदेव अरण्य के जंगलों में स्थित केते एक्सटेंशन इंटीग्रेटेड कोयला ब्लॉक में खनन के लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण,

वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरणीय मंजूरी दे दी है, परियोजना में प्रतिवर्ष 90 लाख टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।मंत्रालय की कोयला खनन संबंधी विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने जनवरी 25 में परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की सिफारिश कर दी थी, लेकिन अंतिम मंजूरी को वन मंजूरी से जोड़ा गया था, जो 9 जून को जारी हुई। हसदेव जंगलों में मंजूरी पाने वाला यह तीसरा बड़ा कोयला क्षेत्र है, पहले परसा और परसा ईस्ट केते बासन (पीईकेबी) ओपन- कास्ट खदानें पहले से संचालित हैं। इन जंगलों को वन और वन्य जीव संरक्षण के लिए खनन निषिद्ध (नो-गो) क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया था, सरगुजा जिले में 1, 7 60 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला कोयला ब्लॉक 2015 में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित किया गया था।अडानी समूह इस खदान का डेवलपर-ऑपरेटर है, निकाला कोयला राजस्थान के छबड़ा, सूरतगढ़ तापविद्युत संयंत्रों को भेजा जाएगा, मंजूरी ऐसे समय दी गई है जब 2021 में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा हसदेव-अरण्य कोल फील्ड पर किए जैव विविधता आकलन में कहा गया था, पहले से संचालित पीईकेबी खदान को छोड़कर जंगलों में कोई नया खनन नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे जैव विविधता पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।1, 502 वर्ग किलोमीटर में फैला हसदेव-अरण्य कोयला क्षेत्र मध्य भारत के सबसे बड़े घने जंगलों में से एक है, यहां घने साल-सागौन के वन हैं, जो वनस्पति विविधता से समृद्ध हैं, क्षेत्र हाथियों, तेंदुओं, बाघों सहित अनेक वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास, आवागमन गलियारा भी है, स्थानीय आदि वासी समुदायों और कांग्रेस ने इस परियोजना तथा केंद्र सर कार की मंजूरियों का विरोध किया है, कहना है, कोयला खनन के कारण बड़े पैमाने पर वनों की कटाई होगी, दस्तावेजों के अनुसार परि योजना के लिए 1, 742.6 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन किया जाएगा, 4.48 लाख पेड़ों की कटाई का प्रस्ताव है, हालांकि कोयले की जरूरत के अनुसार चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, पहले 5 वर्षों में लगभग 98 हजार पेड़ काटे जाएंगे, छठे से दसवें वर्ष के बीच लगभग 60हजार पेड़ों की कटाई होगी, छ्ग सरकार को 60 सेंटीमीटर से कम घेराई वाले 67, 414 पेड़ों का प्रत्यारोपण (ट्रांसलोकेशन) करने, बाकी पेड़ों की कटाई भी चरणबद्ध तरीके से करने का निर्देश दिया गया है, परियोजना से सरगुजा जिले की उदयपुर तहसील के केंते, बासन, चकेरी और परोगिया गांवों के 56 परिवार प्रभावित होंगे, परिवारों का पुनर्वास, छ्ग सरकार द्वारा स्वीकृत राहत एवं पुनर्वास योजना के तहत किया जाएगा।

देश के 5 टॉप आईपीएस में पंकज चंद्रा...

कोंडागांव जिले के एसपी पंकज चंद्रा (आईपीएस) ने अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर कोंडागांव, छ्ग पुलिस का गौरव बढ़ाया है। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में आयोजित 48 वें आई पीएस इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें हाई अचीवमेंट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। विगत 6 अप्रैल से 15 मई 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में देश के आईपीएस का मूल्यांकन, सहभागिता, केस स्टडी, अनुशासन, व्यव हार, एमसीक्यू परीक्षा के आधार पर किया गया। सभी मानकों पर शानदार प्रदर्शन कर पंकज चंद्रा ने देश के शीर्ष 5 में स्थान प्राप्त किया। उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि छ्ग पुलिस, विशेष रूप से कोंडागांव जिले के लिए गर्व का विषय है, चंद्रा ने प्रेजेंटेशन में कोंडागांव जिले की पहचान मानी जाने वाली 'केशकाल घाटी के ट्रैफिक प्रबंधन' विषय को बनाया, बढ़ते यातायात दबाव, दुर्घटनाओं की रोकथाम, आपातकालीन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक, ट्रैफिक मैनेजमेंट की कार्ययोजना प्रस्तुत की, जिसकी विशेषज्ञों ने सराहना की।उल्लेखनीय है, कोंडागांव जिले में पदस्था पना के दौरान एसपी चंद्रा ने अपराध नियंत्रण कानून- व्यव स्था को मजबूत बनाने, साइ बर अपराधों पर प्रभावी कार्र वाई, सामु दायिक पुलिसिंग, जनविश्वास बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में उल्लेख नीय कार्य किये, योजनाबद्ध कार्यप्रणाली, त्व रित निर्णय क्षमता, टीम को साथ लेकर चलने की शैली ने पुलिसिंग को नई दिशा दी है।

और अब बस...

- सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इंडियन आर्मी में 'बस्तर रेजिमेंट' बनेगा, ये छत्तीसगढ़ के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी.इसे लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चिट्ठी भेज कर भरोसा दिया है।
- आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीज से ?90 हजार की अतिरिक्त वसूली मामले में स्वास्थ्य विभाग ने कांपा स्थित मित्तल कैंसर अस्पताल को 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है।

एक नजर

डिवाइडर से टकराई बाइक, इलाज के दौरान युवक की मौत

रायपुर, 2 अगस्त। रायपुर-अभनपुर मार्ग पर रविवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे ऊपरपारा क्षेत्र में शोक का माहौल है। घटना अभनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, अभनपुर के ऊपरपारा निवासी धनेंद्र साहू बाइक से रायपुर-अभनपुर मार्ग पर सिंचाई कॉलोनी की ओर से निकल रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया, वहीं ऊपरपारा क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई।

रेलवे यात्रियों को लगेज बुक करने के लिए हवाई यात्रा जैसी सुविधा

रायपुर,2 अगस्त। भारतीय रेलवे ने अपने यात्रियों को साथ ले जाने वाले अतरिक्त लगेज बुक करने हेतु हवाई यात्रा जैसी सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया हैं। रेलवे बोर्ड ने इस विषय में दिशानिर्देश जारी किया हैं जो 31 जुलाई 2026 से प्रभावी किया गया है। इस नीति के तहत, यात्री अब अपने टिकट की बुकिंग के समय ही ऑनलाइन अतिरिक्त सामान बुक कर सकते हैं। अब यात्रियों को अपने साथ ले जाने वाले अतिरिक्त लगेज बुकिंग हेतु काउंटर पर अलग से जाना जरूरी नहीं होगा।यात्री सीधे ढ्ढक्रष्टअष्ट पोर्टल या रेलवे के पार्सल पोर्टल पर जाकर सामान की अग्रिम घोषणा कर शुल्क चुका सकते हैं। यह सुविधा केवल उन्हीं यात्रियों को मिलेगी जिनके पास कन्फर्म आरक्षित टिकट हैं। यह नियम चुनिंदा श्रेणियों एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2-टियर, फर्स्ट क्लास, स्लीपर क्लास, सेकंड क्लास के लिए ही उपलब्ध है। अतिरिक्त शुल्क केवल तभी लागू होता है जब आपका सामान रेलवे द्वारा निर्धारित निम्नलिखित मुफ्त वजन सीमा को पार करता है. 70 किलोग्राम तक मुफ्त; शुल्क देकर अधिकतम 150 किलोग्राम तक ले जा सकते हैं। 50 किलोग्राम तक मुफ्त; अधिकतम सीमा 100 किलोग्राम है। 40 किलोग्राम तक मुफ्त; अधिकतम सीमा 80 किलोग्राम है। 35 किलोग्राम तक मुफ्त; अधिकतम सीमा 70 किलोग्राम है। एसी 3-टियर, एसी3-टियर इकोनोमी, एसी चेयर कार के यात्री इस ऑनलाइन अतिरिक्त बुकिंग का लाभ नहीं ले सकते क्योंकि इन श्रेणियों में अधिकतम अनुमत सीमा और मुफ्त सीमा दोनों 40 किलोग्राम ही निर्धारित है।

बुकिंग हेतु क्या करना होगा- टिकट बुक करते समय या उसके बाद पोर्टल पर अतिरिक्त वजन की जानकारी दर्ज करें। बुकिंग के समय शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करें। लगेज बुकिंग हेतु न्यूनतम शुल्क ?30 है। बिना बुकिंग किए अतिरिक्त सामान के साथ पकड़े जाने पर रेलवे सामान्य दर से 6 गुना तक जुर्माना वसूल सकता है।

अग्रिम कर हस्तांतरण से विकास कार्यों को मिलेगी नई गति : साय

रायपुर 2 अगस्त। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को अग्रिम कर हस्तांतरण के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त बनाने वाला ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि राज्यों की विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समय से पहले कर हिस्सेदारी उपलब्ध कराना केंद्र सरकार की संवेदनशील, दूरदर्शी और विकासोन्मुखी सोच का परिचायक है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को अग्रिम कर हस्तांतरण के रूप में 3,602 करोड़ की राशि प्राप्त होने से प्रदेश में अधोसंरचना विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को और गति मिलेगी। इससे सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी और विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और समन्वय की भावना ही विकसित भारत के निर्माण का मजबूत आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार निरंतर राज्यों को सशक्त बनाने तथा उनकी वित्तीय क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रभावी निर्णय ले रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार का निरंतर सहयोग विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा।

धर्मांतरण के नाम पर दंगा, सरकार की विफलता : कांग्रेस

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक के बाद भी धर्मांतरण नहीं रोक पा रही है सरकार

रायपुर 2 अगस्त। धर्मांतरण के नाम पर संघ और भाजपा के लोग प्रदेश में भय आतंक फैलाना बंद करे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश भर से लगातार यह खबरें आ रही है कि संघ के अनुषांगिक संगठन के लोग धर्म विशेष के लोगों को टारगेट करके दंगा फैला रहे, भय आतंक फैला रहे, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य आचरण है। प्रदेश में धर्म स्वातंर्त्य विधेयक लागू हो चुका है। राज्य में अपने आपको हिन्दू हितैषी बताने वाली भाजपा की सरकार है फिर यदि कही पर गैरकानूनी धर्मांतरण हो रहा है तो सरकार कानूनी कार्यवाही करे लेकिन भाजपा कार्यकर्ता जो भय आतंक फैला कर प्रदेश का वातावरण खराब कर रहे उस पर रोक लगना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह मान लिया

जाए कि धर्म स्वातंर्त्य विधेयक लाने के बाद भी यदि सरकार धर्मांतरण नहीं रोक पा रही है, इसलिए उनके लोग कानून हाथ में ले रहे है। असलियत यह है कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता धर्मांतरण रोकने की है ही नहीं बल्कि इस विषय में केवल राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय आदिवासियों के बीच यह सरकार गहरा ध्रुवीकरण पैदा कर रही है। विवाद और वर्ग संघर्ष के प्रमुख कारण भाजपा की विभाजनकारी नीति है। यह सरकार आदिवासी संस्कृति में टकराव करवा रही है, सामाजिक और सांस्कृतिक दूरियां बढ़ा रही है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार केवल अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए ध्रुवीकरण करना चाहती है। डर या लालच से धर्मांतरण न केवल गैर कानूनी है बल्कि असंवैधानिक भी है, नए कानून के बाद भी प्रदेश में धर्मांतरण नहीं रोक पाना इस सरकार की असफलता है। तनाव, बहिष्कार, दंगा, लिंचिंग और हिंसा की घटनाओं के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए, ऐसी घटनाएं गृह विभाग सहित पूरे सरकार की घोर असफलता है। संविधान की शपथ लेकर भाजपाई नफ़रत फैला रहे हैं, उन्माद भड़का रहे हैं, यदि अनुचित तरीके से कहीं पर सामूहिक धर्मांतरण हो रहा है तो इसे रोकना और उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही करना सरकार का दायित्व है न कि वर्ग संघर्ष को बढ़ावा देना।

रायपुर में स्वच्छता अभियान को मिल रहा जनसमर्थन

रायपुर, 2 अगस्त। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता जनजागरूकता अभियान को राजधानी में आम नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिलने लगा है। शहर के विभिन्न वार्डों और बस्तियों के निवासी अब घरों में सूखा और गीला कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखकर नियमित रूप से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण करने वाले सफाई मित्रों को सौंप रहे हैं। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और स्वच्छ भारत मिशन शाखा द्वारा महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर तथा आयुक्त सबित मिश्रा के निर्देश पर शहर के सभी 10 जोनों और 70 वार्डों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वार्ड पार्षदों के नेतृत्व में जोन आयुक्तों और स्वास्थ्य अधिकारियों की मौजूदगी में संचालित इस अभियान का सकारात्मक असर अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है।

स्वागत

रायपुर, 2 अगस्त। दुर्ग सांसद विजय बघेल के विदेश यात्रा से लौटने पर माना एयरपोर्ट पर योगेश तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने 'केयर कनेक्ट' का सफल आयोजन

मरीजों के साथ मनाया स्वास्थ्य विश्वास व नई शुरुआत का उत्सव

रायपुर, 2 अगस्त। मरीजों की देखभाल को केवल ऑपरेशन और उपचार तक सीमित न रखते हुए, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर ने हृदय शल्य चिकित्सा (हार्टसर्जरी) करा चुके मरीजों के लिए विशेष कार्यक्रम 'केयरकनेक्ट' का सफल आयोजन किया।इस आयोजन का उद्देश्य मरीजों की प्रेरणा दायक स्वास्थ्य यात्रा का सम्मान करना, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना तथा चिकित्सकों और मरीजों के बीच विश्वास एवं आत्मीयता के रिश्ते को और अधिक सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम का नेतृत्व देश के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन डॉ. विनोद आहूजा एवं डॉ. कल्पेश अग्रवाल ने किया। दोनों विशेषज्ञों ने मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय संवाद करते हुए हृदय शल्य चिकित्सा के बाद नियमित फॉलो-अप, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय पर दवाइयों के सेवन तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

'केयरकनेक्ट' को पारंपरिक चिकित्सा संगोष्ठी से अलग एक प्रेरणा दायक एवं सहभागिता पूर्ण कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया। इस दौरान सफल मरीजों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार समय पर उपचार, परिवार के सहयोग और चिकित्सकों के मार्गदर्शन से उन्होंने एक स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की ओर सफल वापसी की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य जागरूकता

सत्र, प्रेरक संवाद, मनोरंजक गतिविधियाँ एवं सहभागिता पूर्ण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिससे मरीजों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मरीजों को उन चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से पुनः मिलने का अवसर मिला, जिन्होंने उनके उपचार के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कार्यक्रम का समापन हाई-टी के साथ हुआ, जहाँ सभी ने आत्मीय वातावरण में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर डॉ. विनोद आहूजा एवं डॉ. कल्पेश अग्रवाल ने कहा कि हार्ट सर्जरी किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि स्वस्थ, सक्रिय और बेहतर जीवन की नई शुरुआत है। उन्होंने मरीजों को नियमित स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श का पालन, समय पर दवाइयों का सेवन, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा सकारात्मक सोच बनाए रखने की सलाह दी।

पौधे लगाकर पर्यावरण और समाज में सकारात्मक बदलाव का दिया संदेश

रायपुर, 2 अगस्त। बिज़नेस ओनर्स और शीर्ष अधिकारियों के प्रतिष्ठित ग्लोबल एग्जीक्यूटिव नेटवर्किंग संगठन, कॉर्पोरेट कनेक्शंस के रायपुर चैप्टर (सीसी रायपुर 1) ने के स्पाउसल ग्रुप ने इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, सरोना स्थित अम्यूजोरामा अम्यूज़मेंट पार्क में एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कम्युनिटी और लाइफस्टाइल में एक सार्थक और सकारात्मक बदलाव लाना है।

विश्वास और विश्वसनीयता की नींव पर बने इस एक्सक्लूसिव नेटवर्क के स्पाउसल ग्रुप के

सदस्यों ने एकजुट होकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस आयोजन का नेतृत्व सीसी रायपुर 1 की स्पाउसल चेयरपर्सन प्रिया माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम के दौरान आइस क्यूब हॉलीडेज़ से दिशा भाटिया, अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स से अंकिता बरड़िया, अम्यूज़ोरामा से रिंकू अग्रवाल और बीएनआई से श्वेता बैस्य व राजेश बैस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कॉर्पोरेट कनेक्शंस, रायपुर की स्पाउसल चेयरपर्सन प्रिया माहेश्वरी ने कहा, कॉर्पोरेट कनेक्शंस का उद्देश्य केवल बिज़नेस ग्रोथ नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर के बिज़नेस लीडर्स को उनके बिज़नेस, कम्युनिटी और निजी जीवन में नए अवसर पैदा करने के लिए सशक्त बनाता है। एक सफल बिज़नेस लीडर की पहचान केवल उसके बिज़नेस से नहीं, बल्कि समाज के प्रति उसके योगदान से भी होती है। यह वृक्षारोपण अभियान हमारी इसी सामाजिक प्रतिबद्धता का एक छोटा सा प्रयास है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26